सतना
05 फरवरी2026 गुरुवार
दैनिक मीडियाऑडीटर
सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

पुणे में बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला की मां को कार ने मारी टक्कर, ड्राइवर फरार

नई दिल्ली ,एजेंसी। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला की मां का पुणे में एक्सीडेंट हो गया है। इस हादसे में वह घायल हो गईं। इस घटना को लेकर शहजाद पूनावाला ने दावा किया है कि उनकी मां को जानबूझकर टक्कर मारी गई है। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों से आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की अपील की है। पूनावाला के मुताबिक, एक अनजान व्यक्ति ने कथित तौर पर उनकी मां को गाड़ी से टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया इसके बाद वह गंभीर रूप से घायल हो गईं सीएम फडणवीस ने दिए जांच के आदेश :महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना की जांच के आदेश दिए हैं। उनके दफ्तर ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य और पुणे के सीनियर पुलिस अधिकारियों को ज़रूरी निर्देश दिए हैं।

यूनानी चिकित्सा की हिंदी में पढ़ाई करवाने वाला पहला राज्य बनेगा मध्य प्रदेश, पाठ्यक्रम तैयार

भोपाल,एजेंसी। मध्य प्रदेश में एलोपैथी के बाद अब यूनानी चिकित्सा पद्धति की पढ़ाई भी हिंदी में होगी इसके लिए आयुष विभाग ने उर्दू पुस्तकों का हिंदी में अनुवाद कराया है स्नातक बीयूएमएस प्रथम वर्ष में सात विषय हैं इनमें से पांच विषयों की पुस्तकों का अनुवाद हो गया है दो विषयों की पुस्तकें उर्दू और अरबी भाषा की हैं एनाटॉमी यानी शरीर रचना विज्ञान और फिजियोलॉजी (शरीर क्रिया विज्ञान) की पुस्तकों का अनुवाद चिकित्सा शिक्षा विभाग ने कराया था। यूनानी चिकित्सा पद्धति का पाठ्यक्रम भी वही है इसलिए उन्हीं पुस्तकों का यहां उपयोग किया जाएगा बता दें एमबीबीएस पाठ्यक्रम की पुस्तकें, पढ़ाई और परीक्षा हिंदी में करवाने की पहल भी मध्य प्रदेश में ही हुई थी।

संसद के बजट सत्र का छठा दिन

गोयल बोले- अमेरिका से डील ऐतिहासिक:भारत के कृषि और खाद्य क्षेत्र का पूरा ध्यान रखा

नई दिल्ली,एजेंसी। संसद के बजट सत्र का बुधवार को छठा दिन है वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने लोकसभा में अमेरिका से टैरिफ डील पर बयान दिया उन्होंने कहा कि डील ऐतिहासिक है भारत के कृषि और खाद्य क्षेत्र का पूरा ध्यान रखा गया है यह डील भारत के विकास में बेहद फायदेमंद होगी गोयल के भाषण के दौरान विपक्षी सांसद हंगामा करते रहे विपक्ष ने LP (राहुल गांधी) को बोलने दो' नरेंद्र मोदी-सरेंडर मोदी और 'डरता है डरता है नरेंद्र मोदी डरता है' के नारे लगाए विपक्ष के हंगामें पर लोकसभा को दोपह 2 बजे तक स्थगित किय गया इससे पहले लोकसभा से निलंबित विपक्ष के 8 सांसदों ने पोस्टर लेकर विरोध जताया पोस्टर पर लिखा- पीएम इज कॉम्प्रोमाइज्ड (प्रधानमंत्री ने समझौता किया) पोस्टर पर पूर्व आर्मी चीफ नरवणे, पीएम नरेंद्र मोदी और जेफ्री एपस्टीन की तस्वीर थी इन सांसदों को चेयर की तरफ पेपर उछालने की शिकायत पर पूरे बजट सत्र के लिए निलंबित किया गया है। आज सुबह लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही अमेरिका-भारत ट्रेड डील पर विपक्ष ने हंगामा किया इसके बाद स्पीकर ओम बिरला ने सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित की थी सदन केवल 5 मिनट ही चला।

जम्मू-कश्मीर में जैश के दो आतंकवादी मारे गए

उधमपुर में गुफा में छिपे थे, सेना का सर्च ऑपरेशन जारी

उधमपुर,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में बुधवार को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद के दो आतंकवादियों को मार गिराया। यह मुठभेड़ मंगलवार से जारी थी इस दौरान एक आतंकी को गोली लगी थी दोनों आतंकवादी गुफा में छिप गए थे सेना की व्हाइट नाइट कोर के तहत CIF डेल्टा, जम्मू-कश्मीर पुलिस और CRPF की संयुक्त टीम ने आतंकियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद बसंतगढ़ इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया था PTI के मुताबिक रामनगर के जाफर जंगल इलाके में छिपे आतंकियों ने सुरक्षा बलों पर फायरिंग कर दी करीब एक घंटे तक चली मुठभेड़ के दौरान एक आतंकी को गोली लगी, लेकिन वह अपने साथी के साथ गुफा के अंदर चला गया सूत्रों के अनुसार, गुफा में भागने के दो रास्ते हैं ऑपरेशन 'किया' चलाया गया : व्हाइट नाइट कोर ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि CIF डेल्टा, जम्मू-कश्मीर पुलिस और CRPF का यह जॉइंट आपरेशन था इसके तहत इलाके की घेराबंदी की गई मंगलवार शाम करीब 7:30 बजे आतंकियों ने अंधेरे का फायदा उठाकर गुफा से बाहर निकलने की कोशिश की इस दौरान फिर से फायरिंग हुई और तेज धमाकों की आवाज सुनी गई। इसके बाद अतिरिक्त सुरक्षाबलों को इलाके में भेजा गया और घेराबंदी और कड़ी कर दी गई सुरक्षा बलों ने आतंकियों पर ञ्जक्चत्रन्न्न (अंडर बैरल ग्रेनेड लॉन्चर) का इस्तेमाल किया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पुरी में श्री जगन्नाथ मंदिर में किए दर्शन

भुवनेश्वर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने ओडिशा दौरे के तीसरे दिन बुधवार को पुरी स्थित 12वीं शताब्दी के प्रसिद्ध श्री जगन्नाथ मंदिर में दर्शन कर भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद लिया इससे पूर्व उन्होंने पारंपरिक पितृ कर्म भी संपन्न किए पुरी पहुंचने पर राष्ट्रपति ने सबसे पहले श्वेतगंगा में पिंडदान किया जो पितृ अनुष्ठानों से जुड़ा एक पवित्र स्थल है इसके बाद वह श्री जगन्नाथ मंदिर पहुंचीं और भगवान जगन्नाथ के दर्शन किए मंदिर दर्शन के दौरान ओडिशा के राज्यपाल हरि बाबू कंभमपटि और मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी भी राष्ट्रपति के साथ मौजूद रहे दर्शन के उपरांत श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन की ओर से राष्ट्रपति को खंडुआ रेशमी वस्त्र और ओडिशा की पारंपरिक कला पट्टचित्र भेंट किया गया।

एमपी-यूपी, बिहार समेत 7 राज्यों में घना कोहरा

- अंबाला, कानपुर, बरेली, ग्वालियर में विजिबिलिटी जीरो; दिल्ली में 40किमी प्रति घंट की रफ्तार से आंधी चलने का अलर्ट

भोपाल/लखनऊ/जयपुर/ शिमला/देहरादून,एजेंसी। देश के उत्तरी राज्यों पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, यूपी, बिहार, उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में मौसम लगातार सर्द बना हुआ है बर्फबारी के बाद उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर के सभी जिलों में तापमान 10 डिग्री से नीचे रिकॉर्ड किया गया मैदानी राज्यों में उत्तर से आनी वाली हवाओं ने फिर से सर्दी बढ़ा दी है मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब-चंडीगढ़, हरियाणा दिल्ली में सुबह से घना कोहरा छाया है सुबह 6.30 बजे आदमपुर, अंबाला, कानपुर, बरेली, प्रयागराज, ग्वालियर में विजिबिलिटी जीरो रही मौसम विभाग (IMD) ने दिल्ली में बिजली गिरने और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने का अलर्ट जारी किया है पड़ोसी राज्य हरियाणा और चंडीगढ़ में भी ऐसे ही हालात रहने की आशंका है अगले 7 दिन में पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र तीन पश्चिमी विक्षोभ यानी वेस्टर्न डिस्टरबेंस से प्रभावित रहेगा यानी पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी और मैदानी इलाकों में ओला-बारिश और सर्द हवाएं चलेंगी वेस्टर्न डिस्टरबेंस भूमध्यसागर क्षेत्र से आने वाला पश्चिमी हवाओं का मौसमी सिस्टम है जो उत्तर भारत में सर्दियों के दौरान बारिश और पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी कराता है।

लीबिया के पूर्व तानाशाह गद्दाफी के बेटे की हत्या

घर में घुसकर गोली मारी; चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे

त्रिपोली,एजेंसी। लीबिया के पूर्व तानाशाह मुअम्मर गद्दाफी के बेटे सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी की मंगलवार को गोली मारकर हत्या कर दी गई लीबियाई न्यूज चैनल फवासेल के मुताबिक जिंटान शहर में उनके घर पर चार हमलावरों ने हमला किया और उन्हें मार डाला सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी के वकील खालिद अल-जैदी और राजनीतिक सलाहकार अब्दुल्ला ओथमान ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उनकी मौत की जानकारी दी हालांकि शुरुआती बयानों में हत्या की वजह या हमलावरों की पहचान को लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई। सैफ अल-इस्लाम की मौत को लेकर उनकी बहन ने अलग ही दावा किया है। लीबियाई टीवी के हवाले से बताया कि सैफ अल-इस्लाम की मौत लीबिया-अल्जीरिया सीमा के पास हुई। सैफ अल-इस्लाम की उम्र 53 साल थी।

'गेम नहीं छोड़ पाएंगे':गाजियाबाद में तीन सगी बहनों की आत्महत्या, सुसाइड नोट से खुलासा

उम्र 12-14-16 साल; सुसाइड नोट में लिखा- सॉरी ममी-पापा

गाजियाबाद,एजेंसी । गाजियाबाद में तीन सगी बहनों ने नौवीं मंजिल की बालकनी से कूदकर आत्महत्या कर ली पुलिस के मुताबिक, मंगलवार रात 2 बजे तीनों ने कमरे को अंदर से बंद किया, फिर स्टूल रखकर एक-एक करके बालकनी से छलांग लगा दी उनकी उम्र करीब 12, 14 और 16 साल है। पिता के मुताबिक, तीनों बेटियों को टास्क-बेस्ड कोरियन लव गेम की लत थी वे हर वक्त एकसाथ रहती थीं एक साथ नहाती थीं और टॉयलेट जाती थीं। इस कदर गेम की लत थी कि स्कूल भी छोड़ दिया था मीडिया रिपोर्ट्स में दावा है कि पिता ने उन्हें गेम खेलने से मना किया और फटकार लगाई इसके चलते उन्होंने यह कदम उठाया तीनों बहनें जिस कमरे में सोती थीं, वहां पुलिस को एक डायरी मिली है इसके 18 पन्नों में सुसाइड नोट लिखा मिला पुलिस का दावा है कि नोट में लिखा है- 'मम्मी-पापा सॉरी... गेम नहीं छोड़ पा रही हूं अब आपको एहसास होगा कि हम गेम से कितना प्यार करते थे, जिसको आप छुड़वाना चाहते थे 'घटना भारत सिटी बी-1 टॉवर के फ्लैट नंबर 907 की है एडिशनल पुलिस कमिश्नर लॉ एंड ऑर्डर आलोक प्रियदर्शी ने बताया अभी तक की जांच में सामने आया है कि तीनों ने आत्महत्या की है तीनों मोबाइल से गेम खेलती थीं किन परिस्थितियों में आत्महत्या की गई, इसकी जांच की जा रही है पिता ने दो शादियां कीं, शेयर ट्रेडिंग का काम करते हैं : तीनों बच्चियों के नाम निशिका (16), प्राची (14) और पाखी (12) हैं पिता चेतन ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग का काम करते हैं वह मूल रूप से दिल्ली के खजूरी के रहने वाले हैं परिवार में पत्नी, 7 साल का बेटा और चार बच्चियां थीं साथ में साली भी रहती है चेतन ने दो शादियां की हैं पहली पत्नी से बच्चे नहीं होने पर उन्होंने उसकी बहन यानी साली से दूसरी शादी की दूसरी पत्नी से निशिका और प्राची का जन्म हुआ इसके बाद पहली पत्नी से भी एक बेटी पैदा हुई इसके अलावा दूसरी पत्नी से एक बेटी और एक बेटा भी हैं जिस फ्लैट में परिवार रहता है उसमें तीन कमरे और एक हॉल है घटना के वक्त चेतन दोनों पत्नियों के साथ एक कमरे में सो रहे थे साली, 3 साल की बेटी और 7 साल का बेटा भी उसी कमरे में थे।

सुप्रीम कोर्ट में बोलीं ममता:

'व्हाट्सएप आयोग जैसा है चुनाव आयोग, सिर्फ नाम काटने के लिए हो रहा SIR, निशाने पर बंगाल'

नईदल्ली/कोलकाता,एजेंसी सुप्रीम कोर्ट में आज पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर सुनवाई हुई इस दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुद वकीलों के बीच मौजूद थी इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और विपुल एम. पंचोली की पीठ ने की मामले की सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि उन्हें पश्चिम बंगाल के अपने दो साथी न्यायाधीशों से जानकारी मिली जिन्होंने पास प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया समझाई और इसी समझ के आधार पर इस मुद्दे को शामिल किया गया। मामले में सीएम ममता बनर्जी का पक्ष रखने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने बताया कि न्यायालय ने पहले तार्किक विसंगतियों की सूची प्रदर्शित करने का निर्देश दिया था मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी की कि न्यायालय को सूचित किया गया था कि सूची संचार का एकमात्र माध्यम नहीं है और संबंधित व्यक्तियों को व्यक्तिगत नोटिस भी जारी किए जा रहे हैं अधिवक्ता श्याम दीवान ने न्यायालय से याचिकाकर्ता के संक्षिप्त नोट पर विचार करने का आग्रह किया और बताया कि इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए केवल चार दिन शेष हैं उन्होंने कहा कि 32 लाख मतदाता सूचीबद्ध नहीं हैं 1.36 करोड़ नाम तार्किक विसंगति सूची में हैं, और 63 लाख मामलों की सुनवाई अभी लंबित है। उन्होंने यह भी बताया कि 8,300 सूक्ष्म पर्यवेक्षकों को नियुक्त किया गया है जो संविधान के तहत परिकल्पित श्रेणी नहीं है दीवान ने आगे कहा कि निवास प्रमाण पत्र, आधार और ओबीसी प्रमाण पत्र सहित कई स्वीकृत दस्तावेजों को अस्वीकार किया जा रहा है जिससे लोगों को चार से पांच घंटे तक कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है

नाम हटाने के लिए भाजपा शासित राज्यों से सूक्ष्म पर्यवेक्षकों की हुई नियुक्ति मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि मतदाता पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) को प्रभावी रूप से उनके अधिकार छीन लिए गए हैं भाजपा शासित राज्यों से सूक्ष्म पर्यवेक्षकों को नामों को हटाने के लिए नियुक्त किया गया है उन्होंने दावा किया कि ये सूक्ष्म पर्यवेक्षक बिना उचित सत्यापन के कार्यालयों में बैठे-बैठे ही नाम हटा रहे हैं उन्होंने आगे आरोप लगाया कि फॉर्म 6 भरने की अनुमति नहीं दी गई है जिसके परिणामस्वरूप लाखों नाम हटा दिए गए हैं। उनके अनुसार कई जीवित व्यक्तियों को गलत तरीके से मृत घोषित कर दिया गया है। उन्होंने इन कार्रवाइयों को महिला विरोधी बताया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि 58 लाख नाम काट दिए गए, उनके पास अपील करने का विकल्प नहीं था केवल बंगाल को निशाना बनाया जा रहा है - पश्चिम बंगाल के लोगों को कुचलने के लिए। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि शायद अधिकारियों की उपलब्धता के बाद सूक्ष्म पर्यवेक्षकों की आवश्यकता नहीं होगी। इस पर चुनाव आयोग से मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि अपने अधिकारियों को भी बताएं कि वे संवेदनशील रहें और नोटिस जारी न करें... ममता ने चुनाव आयोग को 'व्हाट्सएप आयोग' कहा :सुप्रीम कोर्ट में ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग को 'व्हाट्सएप आयोग' कहा और कहा कि चुनाव आयोग व्हाट्सएप के माध्यम से अनौपचारिक आदेश जारी कर रहा था।

जज और वकीलों के बीच बहस :न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची ने टिप्पणी की कि बंगाल में द्विवेदी का उच्चारण दिबेदी होगा, और बताया कि बंगाली भाषा में वा की ध्वनि नहीं है।

मुख्य न्यायाधीश ने जवाब दिया कि कम से कम उनके नाम का उच्चारण तो सही होगा जिस पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीच में ही टोकते हुए कहा कि ऐसा नहीं होगा वहीं सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने बताया कि नाम संबंधी विसंगतियों के कारण सीमित समय का एक बड़ा हिस्सा बर्बाद हो रहा है।

ममता का आरोप- सिर्फ नाम हटाने के लिए हो रहा स्ढ्ढक्रका इस्तेमाल

इस दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि वह ठोस उदाहरण दे रही हैं और प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित तस्वीरें भी दिखा सकती हैं उन्होंने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया का उपयोग केवल नाम हटाने के लिए किया जा रहा है उदाहरण देते हुए, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि जब कोई बेटी शादी के बाद अपने ससुराल जाती है तो सवाल उठते हैं कि वह अपने पति का उपनाम क्यों इस्तेमाल कर रही है उनके अनुसार ऐसी कई महिलाओं के नाम एकतरफा तरीके से मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं उन्होंने आगे कहा कि फ्लैट खरीदने या निवास स्थान बदलने वाले गरीब लोगों के नाम भी हटाए जा रहे हैं इन परिस्थितियों के बावजूद, अधिकारी ऐसे मामलों को 'गलत मानचित्रण' बताकर अदालत के पूर्व निर्देशों का उल्लंघन कर रहे हैं।

मणिपुर में खेमचंद ने सरकार बनाने का दावा पेश किया

- सरकार में 2 डिप्टी सीएम भी होंगे, कुकी नेता नेम्चा पहली राज्य की पहिला उपमुख्यमंत्री बनेंगी

नई दिल्ली,एजेंसी। पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू होने के एक साल के भीतर NDA सरकार फिर से बहाल होने जा रही है विधायक दल का नेता युमनाम खेमचंद सिंह बुधवार सुबह वरिष्ठ भाजपा नेताओं और विधायकों के साथ चार्टर्ड विमान से इंफाल पहुंचे और राज्यपाल अजय कुमार भल्ला से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया पार्टी सूत्रों के अनुसार, खेमचंद के साथ दो सरकार में दो उपमुख्यमंत्री होंगे ताकि सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन सुनिश्चित किया जा सके डिप्टी सीएम में कुकी समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाली नेमचा किपगेन और नागा समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले लोधी दिखो होंगे नेम्चा राज्य की पहली महिला डिप्टी सीएम होंगी सूत्रों ने यह भी बताया कि कोंथौजम गोविंदास सिंह को प्रस्तावित मंत्रिमंडल में गृह मंत्री बनाया जा सकता है।

राज्य में राष्ट्रपति शासन की समयसीमा खत्म हो रही

नई दिल्ली में मंगलवार को मणिपुर भाजपा के विधायक दल की बैठक हुई थी इसमें भाजपा विधायक युमनाम खेमचंद सिंह को विधायक दल का नेता चुना गया था आज NDA के घटक दलों के विधायकों की बैठक में तीनों नामों पर मुहर लग सकती है मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदाय के बीच जातीय हिंसा के कारण 9 फरवरी 2025 को तत्कालीन सीएम एन. बीरेन सिंह ने इस्तीफा दे दिया था इसके 4 दिन बाद, 13 फरवरी 2025 से राष्ट्रपति शासन लागू किया गया।

बुजुर्ग और युवा ही नहीं नवजात को भी अपनी गिरफ्त में ले रहा कैंसर, जलवायु परिवर्तन सब पर भारी

नई दिल्ली ,एजेंसी। जलवायु परिवर्तन के चलते अब नवजात शिशु भी कैंसर की चपेट में आ रहे हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि डॉक्टरों को मात्र तीन से छह महीने के छोटे-छोटे शिशुओं में भी इसके लक्षण दिख रहे हैं इंडियन कैंसर सोसायटी की ने अपने हालिया शोध में इसका खुलासा किया है कैंसर के कुल मामलों में लगभग 4 फीसदी हिस्सा बच्चों का है इसकी तफ्तीश एम्स समेत कई बड़े अस्पताल के आंकड़े करते हैं कई शोध के अनुसार, देश में हर साल करीब 50,000 से 75,000 नए बच्चे कैंसर के शिकार होते हैं, जिसमें उनकी उम्र 0-14 साल की होती है दुनिया भर में हर साल 2 लाख से ज्यादा बच्चे कैंसर से प्रभावित होते हैं देश में ल्यूकेमिया (ब्लड कैंसर) सबसे आम है, उसके बाद लिम्फोमा, ब्रेन ट्यूमर, न्यूरोब्लास्टोमा, रेटिनोब्लास्टोमा और सारकोमा (हड्डी या सॉफ्ट टिश्यू कैंसर) आते हैं शोध के अनुसार, विकसित देशों में 80 से 90 फीसदी बच्चे ठीक हो जाते हैं, जबकि भारत में यह दर 30-60 फीसदी के बीच है लेकिन समय पर इलाज से बहुत सुधार हो सकता है इसका कारण ज्यादातर मामलों में संकेत पता नहीं चलना है ऐसे में केवल 5 प्रतिशत मामलों में यह जीन से माता-पिता से आता है वयस्कों की तरह धूम्रपान या जीवनशैली का असर बच्चों में कम होता है। कुछ मामलों में रेडिएशन या माता-पिता के संपर्क में आने वाले कुछ कारक जोखिम बढ़ा सकते हैं बच्चों में कैंसर के मुख्य लक्षण क्या है : डॉक्टरों के अनुसार, बच्चों में कैंसर वयस्कों से अलग प्रकार का होता है और यह अचानक बिना शुरुआती लक्षणों के आ सकता है हालांकि, बच्चों में कैंसर का इलाज वयस्कों की तुलना में बेहतर होता है ज्यादातर मामले ठीक हो जाते हैं खासकर अगर शुरुआत में ही पता चल जाए इसके अलावा कई मामलों में प्रमुख लक्षण लगातार बुखार, थकान, कमजोरी या खासकर ल्यूकेमिया में वजन घटना हड्डी या जोड़ों में दर्द सिरदर्द, चक्कर आना, संतुलन बिगड़ना ब्रेन ट्यूमर के संकेत में उल्टी या आंख, कान व बोलने में समस्या गर्दन, बगल या कमर में सूजी हुई ग्रंथियां, रात में पसीना आना शामिल है। इसके अलावा, लिम्फोमा कैंसर में आंख में बदलाव जैसे उभरी हुई आंख, काले घेरे, ढीली पलकें या चलने में दिक्कत होती है महिला में स्तन और पुरुषों में लंग कैंसर का बढ़ रहा प्रकोप : एक आम धारणा है कि महिलाओं में कैंसर ज्यादा घातक होता है और उनमें मौतें ज्यादा होती हैं, लेकिन वैश्विक आंकड़े बताते हैं कि ऐसा नहीं है विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और ग्लोबोकॉन के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, कैंसर से होने वाली मौतों की दर पुरुषों में महिलाओं की तुलना में ज्यादा है दुनिया भर में कैंसर से मरने वाले हर 9 पुरुषों के मुकाबले सिर्फ 12 महिलाएं मरती हैं। पुरुषों में फेफड़े का कैंसर सबसे ज्यादा जान लेता है हालांकि, महिलाओं में स्तन कैंसर सबसे आम और मौत का बड़ा कारण है पुरुषों की कैंसर मौत दर महिलाओं से करीब 30-40 फीसदी ज्यादा रहती है हालांकि, 50 साल से कम उम्र की महिलाओं में कैंसर के नए मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और कुछ उम्र समूहों में अब महिलाओं में पुरुषों से ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं डॉक्टर बोले, समय पर इलाज से ठीक हो जाता है ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. नितेश रोहतगी ने बताया कि शुरुआत में पता चलने से इलाज आसान और कम तीव्र होता है दवाओं के साइड इफेक्ट कम होते हैं और बचने की संभावना ज्यादा बढ़ जाती है इसके अलावा खर्च भी कम होता है और जीवन की गुणवत्ता बेहतर रहती है उन्होंने बताया कि इलाज में देरी से बालों का झड़ना, मुंह में छाले, थकान, एनीमिया जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

पहाड़ों पर बर्फ और मैदानों में बारिश-बिजली जारी, शीत लहर भी तारी

नई दिल्ली ,एजेंसी। उत्तर से दक्षिण तक देश का मौसम इन दिनों कई रंग दिखा रहा है कहीं बारिश और बर्फबारी से ठंड का असर तेज हो गया तो कहीं शीतलहर और घने कोहरे ने जनजीवन को थाम लिया है। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के कारण उत्तर भारत में मौसम लगातार अस्थिर बना हुआ है, जबकि दक्षिणी समुद्री क्षेत्रों में तेज हवाओं ने मछुआरों की चिंता बढ़ा दी है मौसम विभाग के ताजा अनुमान के मुताबिक यह बदलाव फिलहाल कुछ दिनों तक बना रह सकता है अगले 7 दिनों के दौरान तीन पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित कर सकते हैं मौसम विभाग के अनुसार तीन फरवरी से एक पश्चिमी विक्षोभ पंजाब और हरियाणा के ऊपर चक्रवाती परिसंचरण के रूप में सक्रिय है इसके साथ ही ऊपरी वायुमंडल में एक ट्रफ भी प्रभावी बना हुआ है पांच फरवरी की रात से एक और नया पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हिमालय को प्रभावित कर सकता है इन मौसमी प्रणालियों के संयुक्त असर से उत्तर भारत में कहीं हल्की बारिश, कहीं बर्फबारी, तो कहीं घना कोहरा देखने को मिल रहा है उत्तराखंड में तीन फरवरी से मौसम फिर करवट लेता दिख रहा है 2,500 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई गई है गंगोत्री, बद्रीनाथ और केदारनाथ में ताजी बर्फ गिरने के आसार हैं मैदानी राज्यों में गरज-चमक और तेज हवाएं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में गरज-चमक के साथ बारिश और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। पूर्वी राजस्थान, पूर्वी उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में वज्रपात की भी आशंका है दिल्ली-एनसीआर में घने कोहरे का यलो अलर्ट दिल्ली और आसपास के इलाकों में घने कोहरे को देखते हुए मौसम विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया है सुबह के समय दृश्यता काफी कम हो सकती है जिससे सड़क, रेल और हवाई यातायात प्रभावित होने की आशंका है चालकों को धीमी गति से और सावधानीपूर्वक वाहन चलाने की सलाह दी गई है वहीं, बिहार, हरियाणा, चंडीगढ़, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान और पश्चिमी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं घना कोहरा छा सकता है। उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में घने से बहुत घने कोहरे की संभावना जताई गई है कोहरे के कारण दृश्यता घटने से सड़क दुर्घटनाओं का जोखिम बढ़ जाता है श्रीनगर में रातभर बूंदाबांदी पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी कश्मीर में श्रीनगर सहित कुछ मैदानी इलाकों में सोमवार रात से मंगलवार सुबह तक और बाद में शाम को बूंदाबांदी हुई वहीं कुछ पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी हुई है पहलगाम और गुलमर्ग में दिन का पारा माइनस में पहुंच गया। बारिश से दिन में सर्दी बढ़ गई है मौसम विभाग के अनुसार बुधवार से मौसम सूखा रहेगा। कुछ जगह बादल छाए रहेंगे हिमाचल प्रदेश में शीतलहर का असर : हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में शीतलहर जारी है और ठंड का प्रकोप बना हुआ है।

बेंगलुरु में महिला पर रॉटवीलर कुत्ते ने किया हमला: बेंगलुरु एजेंसी। बेंगलुरु में 31 वर्षीय एक महिला पर रॉटवीलर नस्ल के कुत्ते ने हमला कर दिया इस हमले में महिला के चेहरे और गर्दन पर गंभीर चोटें आईं हैं घायल महिला की लगभग आठ घंटे लंबी सर्जरी की गई इस मामले में पुलिस ने इसके मालिक के खिलाफ मामला दर्ज किया है पुलिस के अनुसार, यह घटना 26 जनवरी को तब हुई जब एचएसआर लेआउट के टीचर्स कालोनी में रहने वाली शालिनी दुबे सुबह अपने घर के पास टहलने के लिए निकली थीं घटना से संबंधित सीसीटीवी फुटेज में कुत्ते को सड़क पर महिला की ओर दौड़ते हुए, उन्हें नीचे गिराते और उनके चेहरे और गर्दन पर बार-बार काटते हुए देखा गया है।

उन्हें शारीरिक रूप से दिक्कत होती है, बलूच बागियों के सामने बेबस पाक सेना; ख्वाजा आसिफ ने बताई वजह

इस्लामाबाद , एजेंसी। बलूचिस्तान में बीएलए के लड़ाके पाकिस्तानी सेना पर कहर बनकर टूट रहे हैं और पाक आर्मी उनके सामने बेबस नजर आ रही है अब रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी इस बात को माना है कि उनकी सेना इन लड़कों के सामने कमजोर पड़ गई है उनकी यह टिप्पणी बलूच विद्रोहियों द्वारा इस अशांत प्रांत के कई शहरों में एक साथ हमले करने के कुछ दिनों बाद आई है, जिसमें कम से कम 80 सुरक्षाकर्मी मारे गए और 30 से ज्यादा सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया गया ख्वाजा आसिफ ने क्या कहा उन्होंने कहा, भौगोलिक रूप से बलूचिस्तान पाकिस्तान का 40 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा है... इसे कंट्रोल करना किसी आबादी वाले शहर से कहीं ज्यादा मुश्किल है और इसके लिए बड़ी संख्या में सेना की तैनाती की जरूरत होती है हमारे सैनिक वहां तैनात हैं और उनके खिलाफ कार्रवाई कर रहे हैं लेकिन इतने बड़े इलाके की रखवाली और पेट्रोलिंग करने में उन्हें शारीरिक रूप से दिक्कत होती है बीएलए से बातचीत करने से इनकार : ख्वाजा आसिफ ने बागी ग्रुप बलूच लिबरेशन आर्मी से बातचीत से इनकार कर दिया है उन्होंने कहा कि महिलाओं और बच्चों सहित आम नागरिकों को मारने वाले आतंकवादियों के साथ कोई बातचीत नहीं होगी उन्होंने दावा किया कि अपराधियों और अलगाववादी ग्रुपों के बीच सांठगांठ है, जिसमें आपराधिक गैंग बीएलए के बैनर तले काम कर रहे हैं आसिफ ने कहा, बलूचिस्तान में कबायली बुजुर्गों, नौकरशाही और अलगाववादी आंदोलन चलाने वालों ने एक गठजोड़ बना लिया है उन्होंने दावा किया कि पहले तस्कर तेल की तस्करी से हर दिन 4 अरब पाकिस्तानी रुपये तक कमाते थे पाक सेना पर कहर बनकर टूटे बलूच बागी बलूच बागियों ने कम से कम 12 जगहों पर एक साथ हमले किए, जिससे हाल के सालों में सबसे गंभीर सुरक्षा संकटों में से एक पैदा हो गया। अधिकारियों ने कहा है कि पूरे प्रांत में बड़े पैमाने पर आतंकवाद विरोधी अभियानों में कम से कम 177 विद्रोहियों को मार गिराया गया।

बाल अश्लीलता और डीपफेक जांच ते फ्रांस में 'एक्स' के कार्यालयों पर छापेमारी

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस की राजधानी पेरिस के अभियोजकों ने बाल यौन सामग्री (चाइल्ड पोर्नोग्राफी) और डीपफेक सहित कई कथित अपराधों की शुरुआती जांच के तहत एलन मस्क के सोशल मीडिया मंच एक्स के फ्रांस स्थित कार्यालयों पर मंगलवार को छापेमारी की। इस संबंध में जारी बयान में कहा गया कि पिछले साल जनवरी में अभियोजक कार्यालय की साइबर अपराध इकाई ने जांच शुरू की थी यह इकाई बच्चों को बंधक बनाने और उनकी अश्लील तस्वीरें फैलाने, इससे संबंधित डीपफेक, मानवता के खिलाफ अपराधों और एक संगठित समूह के हिस्से के तौर पर ऑटोमेटेड डेटा प्रोसेसिंग सिस्टम में हेरफेर तथा दूसरे अपराधों में कथित मिलीभगत की जांच कर रही है बयान के अनुसार: अभियोजकों ने एलन मस्क और एक्स की 2023 से 2025 तक मुख्य कार्याधिकारी रहीं लिंडा याकारिनो से स्वैच्छिक पूछताछ के लिए अनुरोध किया है, जिसके लिए 20 अप्रैल की तारीख निर्धारित है। इस संबंध में एक्स के एक प्रवक्ता ने टिप्पणी के लिए किए गए अनुरोध पर तुरंत जवाब नहीं दिया पेरिस अभियोजक कार्यालय ने एक्स पर छापेमारी की पुष्टि की इसने कहा कि वह इस मंच को छोड़ रहा है और फॉलोअर्स से भी अपील है कि वे किसी दूसरे सोशल मीडिया मंच से जुड़ें अभियोजकों ने एक बयान में कहा इस चरण में, जांच एक सकारात्मक सोच पर आधारित है जिसका मकसद यह पक्का करना है कि एक्स फ्रांसीसी कानून का पालन करे क्योंकि यह देश की सीमा के अंदर काम करता है यह जांच सबसे पहले एक फ्रांसीसी सांसद की रिपोर्ट के बाद शुरू की गई थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि एक्स पर मौजूद पक्षपातपूर्ण एल्गोरिदम द्वारा एक ऑटोमेटेड डेटा प्रोसेसिंग सिस्टम के कामकाज को प्रभावित किए जाने की संभावना है।

इटली की चर्च में फरिश्ते की तस्वीर में लगा मेलोनी का फोटो भड़के लोग; मुसोलिनी से जुड़ा कनेक्शन

रोम , एजेंसी। रोम के एक गिरजाघर में स्थापित चेरुब (फरिश्ते जैसा बच्चा) की तस्वीर को लेकर हंगामा खड़ा हो गया है इस विवाद की वजह है कि चेरुब की तस्वीर इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी की शक्ल से मेल खाती है इतालवी समाचार पत्रों ने मेलोनी जैसी दिखने वाली इस चेरुब(जिसे देवदूत माना जाता है) की तस्वीरें प्रकाशित की है। इसपर जनता ने कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की है। यह मामला इतना बड़ा हो गया कि रोम का डियोसीज और इटली की संस्कृति मंत्रालय ने जांच शुरू कर दी है लोग इसे राजनीतिक संदेश मान रहे हैं, क्योंकि चेरुब राजा के सामने झुकता हुआ दिख रहा है यह सब 2000 में बने एक चैपल की रेनोवेशन से शुरू हुआ वहां इटली के आखिरी राजा उम्बर्टो सेकंड की मूर्ति है जिसके साथ दो फरिश्ते बने हैं। एक फरिश्ता इटली का नक्शा पकड़े राजा के सामने घुटनों पर है हाल में 2023 से शुरू हुई पानी की रिसाव की वजह से मरम्मत हुई लेकिन रेस्टोरेशन के बाद इस चेरुब का चेहरा बदल गया और अब यह मेलोनी जैसा लगता है क्यों हंगामा है बरपा : इतालवी अखबारों ने पहले और बाद की तस्वीरें छापीं है इससे विवाद भड़क उठा संस्कृति मंत्रालय के मंत्री अलेसांद्रो गिउली ने जांच का आदेश दिया कि क्या रेस्टोरर ने जानबूझकर मेलोनी का चेहरा बनाया रोम के डियोसीज ने भी कहा कि 2000 के मूल तस्वीर में ऐसा चेहरा नहीं था रेस्टोरेशन में चेरुब के चेहरे को बदलना बिना इजाजत किया गया काम था अब पुराने दस्तावेज और फोटो देखकर पता लगाया जा रहा है कि पहले यह कैसा दिखता था। चर्च अब पर्यटकों और लोगों से भरा रहता है क्योंकि लोग मेलोनी की शक्ल से मिलते चेरुब को देखने आ रहे हैं लोगों ने इसे मेलोनी चैपल नाम दे दिया है कुछ इसे मजाकिया मान रहे हैं, तो कुछ राजनीतिक साजिश कह रहे हैं मेलोनी का मजाकिया जवाब : प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने सोशल मीडिया पर इस तस्वीर को शेयर करते हुए लिखा, नहीं, मैं बिल्कुल फरिश्ते जैसी नहीं दिखती उनका यह जवाब काफी वायरल हुआ मेलोनी की दक्षिणपंथी पार्टी की जड़ें नो-फासिस्ट पार्टी में हैं।

पाकिस्तान में 11 साल का बच्चा अचानक लापता

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के रावलपिंडी जिले से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां एक पिता ने अपने 11 वर्षीय बेटे के लापता होने के पीछे जिन्न (अलौकिक शक्तियों) का हाथ बताते हुए पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई है मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह घटना टैक्सिला थाना क्षेत्र की है। बच्चा 21 जनवरी को घर से अचानक लापता हो गया था करीब 10 दिन तक उसका कोई सुराग न मिलने के बाद पिता ने पुलिस से शिकायत की FIR में पिता ने दावा किया है कि जिन्न उनके बेटे को जबरदस्ती अपने साथ ले गए हैं उनका कहना है कि यह पहली बार नहीं है, इससे पहले भी कथित तौर पर जिन्न कई बार बच्चे को ले जा चुके हैं हालांकि हर बार कुछ समय बाद वह वापस लौट आया था।

रिसर्च डे पर इलाज की नई परिभाषा: एम्स ने जोड़ दिए दो महाद्वीप, अंटार्कटिका में बैठे मरीज का किया अल्ट्रासाउंड

नई दिल्ली ,एजेंसी। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है एम्स रिसर्च डे 2026 के मौके पर प्रोफेसर डॉ. चंद्रशेखर एसएच ने दिल्ली में बैठकर अंटार्कटिका में मौजूद भारतीय रिसर्च स्टेशन (मैत्री) पर एक मरीज का रीयल-टाइम अल्ट्रासाउंड किया यह दुनिया की सबसे लंबी दूरी (लगभग 12,000-14,000 किलोमीटर) पर किया गया टेली-रोबोटिक अल्ट्रासाउंड है। यह चिकित्सा क्षेत्र में किया गया नया अध्याय है प्रो. डॉ. चंद्रशेखर एसएच ने बताया कि इस तकनीक में दिल्ली में बैठे डॉक्टर एक हाईटेक हैप्टिक डिवाइस (जो हाथ की हरकत महसूस कराती है) का इस्तेमाल करते हैं उनकी हर मूवमेंट अंटार्कटिका में लगे रोबोटिक आर्म को तुरंत पहुंचती है जो अल्ट्रासाउंड प्रोब को पकड़े हुए होता है प्रोब मरीज के शरीर पर सही जगह रखकर स्कैन करता है और उच्च गुणवत्ता वाली इमेजेस रीयल-टाइम में दिल्ली वापस आती हैं डॉक्टर पेट की जांच, ट्रामा के लिए जल्दी स्कैन दिल की इकोकार्डियोग्राफी, डॉप्लर, गर्दन और अन्य महत्वपूर्ण जांच आसानी से कर पाते हैं इसकी प्रक्रिया बिल्कुल वैसी है जैसे मरीज के सामने खड़े होकर कर रहा हों इस तकनीक से दुनिया के सबसे दूर-दराज तक पहुंच संभव अंटार्कटिका में भारतीय स्टेशन पर काम करने वाले वैज्ञानिकों और सदस्यों के लिए मेडिकल सुविधाएं बहुत सीमित होती हैं वहां 50 डिग्री से भी कम तापमान, पूर्ण अलग-थलग स्थिति और इमरजेंसी में तुरंत फैसला लेना बेहद चुनौतीपूर्ण होता है अगर अचानक चोट, पेट दर्द, सीने में दिक्कत या आंतरिक चोट जैसी समस्या हो तो सही निदान के बिना समय बर्बाद हो सकता है और जान जा सकती है डॉ. विकास डोगरा ने अंटार्कटिका में भारतीय अंटार्कटिक प्रोग्राम के साथ काम के अनुभव से इस समस्या को समझा और इस तकनीक को वहां लगाने का सुझाव दिया डॉ. आनंद कुमार सिंह और डॉ. प्रदीप मल्होत्रा के मार्गदर्शन व सपोर्ट से प्रोजेक्ट को सभी मंजूरियां मिलीं और इसे सुरक्षित व व्यावहारिक बनाया गया प्रोफेसर डॉ. चंद्रशेखर एसएच ने बताया कि यह भारत की तकनीक दुनिया के सबसे दूर-दराज और कठिन इलाकों तक एक्सपर्ट स्वास्थ्य सेवा पहुंचा सकती है यह तकनीक आपदा क्षेत्रों (जैसे भूकंप, बाढ़), दूरदराज के गांवों, ऊंचे पहाड़ी इलाकों, समुद्र में तेल रिग्स, जहाजों और यहां तक कि युद्ध क्षेत्रों में भी इस्तेमाल हो सकती है।

एम्स, आईआईटी सहित अन्य संस्थानों ने किया आविष्कार: यह रोबोटिक आर्म एम्स, आईआईटी दिल्ली, इंडियन हेल्थकेयर फाउंडेशन फॉर क्रिएटिविटी (आईएचएफसी), नेशनल सेंटर फॉर पोलर एंड ओशन रिसर्च (एनसीपीओआर) और राजीव गांधी सुपर स्पेशलिस्ट अस्पताल (आरजीएसएसएच) के संयुक्त प्रयास से तैयार किया गया है आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर सुबीर कुमार साहा ने इसकी सटीकता मजबूती और दूर से भरोसेमंद काम करने की क्षमता विकसित करने में अहम भूमिका निभाई युवा रिसर्चर्स उदयन बनर्जी और सिद्धार्थ गुप्ता ने सिस्टम की इंस्टॉलेशन टेक्निकल सेटअप और ग्राउंडवर्क में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

प्लेन क्रैश में मौत से पहले अजित पवार

ने आखिरी फोन कॉल पर क्या कहा था एनसीपी ने जारी किया ऑडियो

पुणे , एजेंसी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने पिछले हफ्ते प्लेन क्रैश में मौत से पहले अजित पवार की आखिरी फोन बातचीत का ऑडियो जारी किया है अजित पवार ने मुंबई से बारामती के लिए उड़ान भरने से पहले पार्टी के सदस्य श्रीजीत पवार से बात की थी अपनी आखिरी बातचीत में अजित पवार ने एकता और समानता का संदेश दिया जिसमें सभी धर्मों और जातियों को साथ लेकर चलने की जरूरत पर जोर दिया गया उस कॉल के बारे में बताते हुए श्रीजीत पवार ने कहा कि उन्होंने महाराष्ट्र की राजनीति में प्यार से दादा कहे जाने वाले अजित पवार को एक मैसेज भेजा था और जैसे ही वह नेटवर्क कवरेज एरिया में आए उन्होंने उन्हें फोन किया

मैंने मैसेज किया तो अजित दादा ने किया फोन : उन्होंने बताया, अजित दादा और मैं एक ही गांव के हैं मैंने उन्हें एक खास मामले में मैसेज भेजा था। नेटवर्क मिलते ही उन्होंने मुझे कॉल किया उन्होंने कहा कि हम सभी जातियों और धर्मों को साथ लेकर चल रहे हैं क्यों जारी किया गया ऑडियो ऑडियो को पब्लिक करने की वजह यह है कि पवार के पास एक मैसेज था जो पार्टी का मानना है कि जनता तक पहुंचना चाहिए श्रीजीत पवार ने कहा, यह इस ऑडियो कॉल रिकॉर्डिंग को सभी के ध्यान में लाने की कोशिश है ताकि महाराष्ट्र को पता चल सके कि अजीत दादा के आखिरी सांस तक क्या विचार थे।

पुणे में बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला की मां को कार ने मारी टक्कर, ड्राइवर फरार

पुणे , एजेंसी। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला की मां का पुणे में एक्सीडेंट हो गया है इस हादसे में वह घायल हो गई इस घटना को लेकर शहजाद पूनावाला ने दावा किया है कि उनकी मां को जानबूझकर टक्कर मारा गया है इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों से आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की अपील की है।

नोएडा की 6 सोसाइटियां एसटीपी की जांच में फेल, प्राधिकरण ने जुर्माना लगाने को लिखा पत्र

नोएडा, एजेंसी। नोएडा सेक्टर-150 में कई सोसाइटियों में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) काम नहीं कर रहे।

विधायक रीती पाठक ने किया 250 लाख के स्वास्थ्य केंद्र का शिलान्यास, सिरसी को मिलेगा आधुनिक इलाज

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के ग्राम पंचायत सिरसी में 250 लाख रुपये की लागत से बनने वाले 06-विस्तरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन के उन्नयन एवं निर्माण कार्य का शिलान्यास समारोह बड़े धूमधाम से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक रीती पाठक उपस्थित रहीं, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह ने की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीणजन और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक रीती पाठक ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है और स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाना उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास सबका प्रयास' के मंत्र को आत्मसात करते हुए प्रदेश सरकार द्वारा आमजन तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने का कार्य तेज़ी से किया जा रहा है।

विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य अधोसंरचना को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर नए अस्पतालों, स्वास्थ्य केंद्रों आधुनिक चिकित्सा उपकरणों और विशेषज्ञ सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने इस अवसर पर सिरसी में बनने वाले 06-विस्तरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन की महत्ता को बताते हुए कहा कि इससे स्थानीय ग्रामीणों को समय पर उपचार मिलेगा और गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों, बच्चों तथा गंभीर मरीजों को भी बेहतर चिकित्सा सुविधा सुलभ होगी।

विधायक ने यह भी कहा कि सरकार का उद्देश्य यह है कि किसी भी ग्रामीण को इलाज के लिए अनावश्यक रूप से दूर शहरों का रुख न करना पड़े, बल्कि उन्हें अपने क्षेत्र में ही गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं मिलें। उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, पेयजल और रोजगार जैसे मूलभूत क्षेत्रों में विकास कार्यों को प्राथमिकता देने की बात की जिससे ग्रामीण जीवन स्तर में निरंतर सुधार हो रहा है। अंत में विधायक ने उपस्थित जनसमूह से अपील की कि वे स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लें स्वच्छता एवं पोषण के प्रति जागरूक रहें और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़कर अपने परिवार और समाज को स्वस्थ एवं सशक्त बनाएं। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि क्षेत्र के विकास एवं जनसेवा के लिए उनका प्रयास निरंतर जारी रहेगा।

झूला पुल तालाब में हजारों मछलियों की मौत : चौपाटी की गंदगी-दूषित पानी ने ली जान मरी हुई मछलियां ले गए लोग

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहर के झूला पुल तालाब में बुधवार सुबह अचानक हजारों मछलियां मरी मिलीं सभी पानी की सतह पर तैर रही थीं तालाब से आ रही भीषण दुर्गंध से आसपास के दुकानदारों और राहगीर परेशान हो रहे है मामले में प्रशासन ने जांच की बात कही है तालाब के पास रहने वाले लोगों का आरोप है कि चौपाटी पर लगने वाले ठेलों और बिरयानी सेंटरों का गंदा पानी और कचरा सीधे तालाब में बहाया जा रहा है। कई बार नगर पालिका से इसकी शिकायत की गई लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई इसी कचरे और रसायनों के कारण पानी में ऑक्सीजन की कमी हो गई, जिससे मछलियों का दम घुट गया लोगों ने बताया कि कुछ समय पहले ही नगर पालिका ने इस तालाब के जीर्णोद्धार और सफाई पर काफी पैसा खर्च किया था इसके बावजूद इतनी बड़ी संख्या में मछलियों का मरना नगर पालिका और मत्स्य विभाग की लापरवाही को उजागर करता है तालाब में फैले कचरे ने सौंदर्यीकरण के दावों की पोल खोल दी है घटना के बाद कुछ लोग इन मरी हुई मछलियों को अपने घर ले जाते देखे गए वहीं स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया कि दूषित पानी में मरी इन मछलियों को खाना जानलेवा हो सकता है इससे गंभीर फूड पॉयजनिंग और इन्फेक्शन का खतरा है प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे इन मछलियों का सेवन बिल्कुल न करें **जांच के आदेश, पानी के सेंपल लिए जाएंगे:** मामला में प्रशासन ने जांच की बात कही है अधिकारियों ने बताया कि जल्द ही तालाब के पानी के सेंपल लिए जाएंगे ताकि यह पता चल सके कि पानी में कोई जहरीला पदार्थ तो नहीं मिलाया गया फिलहाल, नगर पालिका की टीम को तालाब की तत्काल सफाई करने और मरी हुई मछलियों को वहां से हटाने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्य बाजार में दिनभर 'नो एंट्री' मंदिर-तिराहों के 100 मीटर दायरे में 'नो पार्किंग' घोषित, आदेश हुआ लागू

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मझौली नगर में बढ़ती जाम की समस्या और आमजन की असुविधा को देखते हुए जिला प्रशासन ने सख्त फैसला लिया है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी के आदेश पर मझौली नगर परिषद क्षेत्र के मुख्य बाजार में बुधवार से सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक भारी वाहनों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है इसके साथ ही प्रमुख मंदिरों, तिराहों और चौराहों के 100 मीटर के दायरे को नो पार्किंग जोन'घोषित किया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है प्रशासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार यह निर्णय उपखंड मजिस्ट्रेट मझौली की रिपोर्ट, नगर परिषद मझौली के प्रस्ताव और थाना प्रभारी की जांच रिपोर्ट के आधार पर लिया गया है रिपोर्ट में बताया गया था कि मुख्य बाजार क्षेत्र में भारी वाहनों के प्रवेश और अव्यवस्थित पार्किंग के कारण लगातार जाम लगता है, जिससे स्कूली बच्चों, बुजुर्गों, मरीजों और व्यापारियों को परेशानी होती है कलेक्टर ने मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 115 और मध्यप्रदेश मोटरयान नियम 1994 के नियम 215 के तहत मिली शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह आदेश जारी किया है आदेश के तहत राम मंदिर तिराहा मझौली बस स्टैंड मार्ग प्रमुख बाजार मार्गों और व्यस्त चौराहों पर 100 मीटर के दायरे में वाहन खड़े करने पर रोक रहेगी सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह वर्जित रहेगा प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 और मोटरयान अधिनियम के प्रावधानों के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी पुलिस और नगर परिषद की संयुक्त टीम को आदेश का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं।

अवैध मकान को जमींदोज किया :हाईकोर्ट के आदेश पर प्रशासन ने बुलडोजर चलवाया, रास्ते पर किया था निर्माण

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के सरई तहसील अंतर्गत महुआ गांव में प्रशासन ने हाईकोर्ट के आदेश पर सार्वजनिक रास्ते की जमीन पर बनाए गए एक अवैध मकान को बुलडोजर चलाकर जमींदोज कर दिया नायब तहसीलदार अमित मिश्रा ने बताया कि जिस जमीन पर मकान बनाया गया था, वह सरकारी रिकॉर्ड में सार्वजनिक रास्ते के रूप में दर्ज है प्रशासन ने कार्रवाई से पहले अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किए थे और मुनादी (घोषणा) कराकर खुद कब्जा हटाने का मौका भी दिया था लेकिन इसके बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया गया भारी पुलिस बल के बीच चला बुलडोजर तय समय सीमा बीतने के बाद, राजस्व विभाग की टीम और भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। किसी भी विरोध या अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस पहले से मुस्तैद थी आगे भी जारी रहेगी कार्रवाई प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र के अन्य अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया है नायब तहसीलदार ने स्पष्ट किया है कि शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ आने वाले दिनों में भी इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

मानसिक रूप से कमजोर युवक पानी की टंकी पर चढ़ा

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। धनपुरी में मंगलवार को एक मानसिक रूप से कमजोर युवक पानी की टंकी पर चढ़ गया और करीब चार घंटे तक नीचे कूदने की धमकी देता रहा पुलिस की मशक्कत के बाद उसे सुरक्षित नीचे उतारा गया वार्ड नंबर-3 का निवासी मोहम्मद गोलू मानसिक रूप से अस्वस्थ है हाल ही में उसने अपनी मां और भाई पर हमला किया था, जिसके बाद परिजनों ने उसे बांधकर रखा था मंगलवार को वह रस्सी खोलकर भागा और स्टेट हॉस्पिटल के पीछे बनी पानी की टंकी पर चढ़ गया।

मिलेट्स मिशन : मोटे अनाज हैं पोषण का भण्डार, जिले में बढ़ावा देने के प्रयास तेज

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। देशभर में संचालित मिलेट्स मिशन के अंतर्गत सीधी जिले में भी कृषि के विविधीकरण को बढ़ावा देते हुए मोटे अनाजों की खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है जिले में बड़ी संख्या में किसानों द्वारा प्राकृतिक खेती के लिए पंजीयन कराया गया है तथा कोदौ, ज्वार, मक्का सहित अन्य मोटे अनाजों की पैदावार बढ़ाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं विशेषज्ञों के अनुसार मोटे अनाज पोषण का समृद्ध स्रोत हैं। इनमें फाइबर, प्रोटीन, विटामिन एवं विभिन्न खनिज प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं ये प्राकृतिक रूप से ग्लूटेन फ्री होते हैं तथा आसानी से पचने वाले होते हैं जिससे स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी माने जाते हैं। साथ ही परंपरागत खेती की विधियों से उगाए जाने के कारण ये मिट्टी के स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक सिद्ध होते हैं विंध्य क्षेत्र सहित जिले में लगभग 50 वर्ष पूर्व तक मोटे अनाजों की बड़े पैमाने पर खेती होती थी और कोदौ, ज्वार, मक्का जैसे अनाज मेहनतकश एवं ग्रामीण परिवारों के मुख्य भोजन का हिस्सा थे कम वर्षा में भी इनकी अच्छी पैदावार होती थी तथा इन्हें बिना किसी रसायन के कई वर्षों तक सुरक्षित भंडारित किया जा सकता था खेती के आधुनिकीकरण एवं अधिक उत्पादन के लिए रासायनिक खादों के बढ़ते उपयोग के कारण समय के साथ मोटे अनाजों की खेती में कमी आई हालांकि इनकी पोषकता आज भी अन्य अनाजों की तुलना में अधिक मानी जाती हैइसी को ध्यान में रखते हुए शासन द्वारा मिलेट्स मिशन के माध्यम से मोटे अनाजों की खेती को पुनः बढ़ावा दिया जा रहा है योजना के अंतर्गत चावल एवं गेहूं के कुल कृषि आच्छादन में लगभग 20 प्रतिशत की कमी कर उनके स्थान पर मोटे अनाजों की खेती को प्रोत्साहित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

गुरहर पहाड़ में 39.2 टन सोना निकालने की खदान लगाने से पहले जनसुनवाई

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। गुरहर पहाड़ में प्रस्तावित सोने की खदान को लेकर बुधवार को सिलफोरी में जनसुनवाई हुई मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की मौजूदगी में हुई इस बैठक में ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने अपनी बातें रखीं मेसर्स कुंदन गोल्ड माइंस प्राइवेट लिमिटेड यहां 149 हेक्टेयर से ज्यादा इलाके में खनन की तैयारी में है अरबों के खजाने का अनुमान परियोजना के आंकड़ों के मुताबिक, इस खदान से हर साल करीब 0.13 मिलियन टन सोने का अयस्क निकालने की योजना है अनुमान है कि यहां 35 सालों तक खनन चलेगा, जिससे कुल 39.2 टन सोना निकल सकता है मौजूदा बाजार भाव के हिसाब से इस सोने की कुल कीमत करीब 2 लाख 74 हजार करोड़ रुपये से भी ज्यादा आंकी गई है ग्रामीणों ने जताई चिंता जनसुनवाई के दौरान इलाके के लोगों ने पर्यावरण, पानी के संकट और विस्थापन को लेकर अपनी शंकाएं जाहिर कीं ग्रामीणों का सबसे ज्यादा जोर रोजगार और जमीन के बदले मिलने वाली सुविधाओं पर रहा कंपनी ने भरोसा दिलाया है कि वे पर्यावरण के नियमों का पूरा पालन करेंगे।

सकारात्मक सोच और सही रणनीति से परीक्षा में बेहतर परिणाम मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास ही परीक्षा सफलता की कुंजी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शिक्षा का मूल उद्देश्य केवल परीक्षा उत्तीर्ण करना नहीं बल्कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास कर उन्हें जीवन के लक्ष्य तक पहुँचाना है जीवन में आगे बढ़ने के लिए परीक्षा प्रक्रिया से सभी को गुजरना पड़ता है परीक्षा में सफलता कोई जादुई छड़ी का परिणाम नहीं बल्कि परीक्षार्थी के निरंतर परिश्रम, लगन और सुनियोजित तैयारी का फल होती है विशेषज्ञों का मानना है कि परीक्षा से ठीक एक माह पूर्व की गई तैयारी का विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और सफलता में महत्वपूर्ण योगदान होता है इस अवधि में प्री-बोर्ड परीक्षाओं के प्राप्त अंकों का विश्लेषण कर अपनी कमजोरियों को पहचानना अत्यंत आवश्यक है बोर्ड परीक्षा की समय-सारिणी के अनुसार विषयवार पुनरावृत्ति की योजना बनाकर अध्ययन करने से विषयों की बेहतर समझ विकसित होती है जिससे उत्तर लेखन अधिक सटीक और प्रभावी बनता है शिक्षाविदों ने विद्यार्थियों को सलाह दी है कि वे अपनी क्षमता के अनुरूप लक्ष्य निर्धारित करें और ईमानदारी से उन्हें प्राप्त करने का प्रयास करें नियमित अध्ययन, समय-प्रबंधन, बार-बार दोहराव तथा शांत वातावरण में पढ़ाई करना सफलता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है अध्ययन के दौरान छोटे-छोटे अंतराल में विश्राम लेना, संतुलित भोजन करना तथा प्रतिदिन 6 से 8 घंटे की नींद लेना भी आवश्यक बताया गया है यह भी कहा गया कि यदि समय कम रह गया हो और तैयारी पूरी न हो पाई हो तो घबराने या निराश होने की आवश्यकता नहीं है किसी भी ऐसी गतिविधि से दूर रहें जो चिंता या तनाव को बढ़ाए। सभी विषयों को समान महत्व देते हुए स्वयं के लिए अध्ययन समय निर्धारित करें यदि किसी विषय में कठिनाई हो तो तुरंत मित्रों या अध्यापकों से मार्गदर्शन प्राप्त करें विशेषज्ञों ने नकारात्मक सोच रखने वाले लोगों से दूरी बनाए रखने और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने पर भी जोर दिया है।

कलेक्टर के निर्देश पर बोर्ड परीक्षा 2026 की तैयारियों को लेकर जिला स्तरीय बैठक व प्रशिक्षण आयोजित

सीईओ जिला पंचायत ने दिए सेत निर्देश - परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशानुसार तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेंद्र सिंह सोलंकी की अध्यक्षता में बोर्ड परीक्षा 2026 के सफल एवं सुचारु संचालन को लेकर क्रमांक-2 सीधी में जिले के सभी 66 परीक्षा केंद्रों के केंद्राध्यक्ष एवं सहायक केंद्राध्यक्ष की जिला स्तरीय बैठक एवं प्रशिक्षण आयोजित किया गया बैठक में पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से एपीसी रमसा डॉ. सुजीत कुमार मिश्र द्वारा माध्यमिक शिक्षा मंडल के दिशा-निर्देशों की विस्तार से जानकारी दी गई इसमें परीक्षा प्रारंभ होने से पूर्व की तैयारियां, परीक्षा संचालन के दौरान किए जाने वाले महत्वपूर्ण कार्य, परीक्षा समाप्ति के बाद की प्रक्रियाएं, केंद्राध्यक्ष एवं सहायक केंद्राध्यक्ष के अधिकार एवं कर्तव्य, कलेक्टर प्रतिनिधि हेतु ट्रैकिंग मोबाइल ऐप के उपयोग, प्रश्न पत्रों की सुरक्षा एवं परिवहन व्यवस्था, परीक्षा केंद्रों की व्यवस्थाएं, बैठक एवं पर्यवेक्षक व्यवस्था, परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र की जांच एवं भवन में प्रवेश प्रक्रिया सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया इसके अतिरिक्त पुलिस थाने से प्रश्न पत्र के लिफाफे प्राप्त करने की प्रक्रिया, दिव्यांग परीक्षार्थियों के लिए लेखक उपलब्ध कराने की व्यवस्था, वित्तीय प्रबंधन एवं परीक्षा से संबंधित अन्य आवश्यक निर्देशों से भी सभी प्राचार्यों को अवगत कराया गया मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेंद्र सिंह सोलंकी ने निर्देश दिए कि परीक्षा के दौरान किसी भी परीक्षार्थी को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा सभी व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित की जाएं जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह ने परीक्षा केंद्रों पर अनुशासन बनाए रखने अव्यवस्था की स्थिति से बचने एवं किसी भी प्रकार के नकल प्रकरण को रोकने के लिए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

दो माह के भालू की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या : मादा ने हमला किया, भीड़ ने बेजुबान शावक पर उतारा गुस्सा

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जयसिंहनगर वन परिक्षेत्र में एक भालू के शावक की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी गई यह घटना तब उजागर हुई जब हाल ही में हुई बाघों की मौत को लेकर मीडिया ने वन विभाग से जवाब मांगा वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार यह पूरी घटना 28 जनवरी की है कोटिगढ़ के जंगलों में मवेशी चरा रहे एक चरवाहे पर मादा भालू ने हमला कर उसे घायल कर दिया था। इस घटना के बाद ग्रामीणों में भारी रोष था जब घायल चरवाहे को अस्पताल भेजा गया उसके बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण लाठी-डंडे और कुल्हाड़ी लेकर भालू को खोजने और उसे सबक सिखाने के लिए जंगल की ओर निकल पड़े जंगल की तलाश के दौरान ग्रामीणों को मादा भालू तो नहीं मिली लेकिन उसका लगभग दो महीने का नन्हा शावक दिखाई दे गया आरोप है कि भीड़ में शामिल एक सनकी व्यक्ति ने हाथ में ली कुल्हाड़ी से उस मासूम शावक पर जोरदार हमला कर दिया वार इतना घातक था कि नन्हे शावक ने मौके पर ही तड़प-तड़पकर दम तोड़ दिया जानकारी के अनुसार घटना 28 जनवरी की है लेकिन वन विभाग ने इसे दबाए रखा।

असामान्य विीय हालात

संपादकीय

जिस वित्तायोग के सहारे पर्वतीय धमनियों को आर्थिक आक्सीजन मिलती थी, उसके विरुद्ध केंद्र सरकार ने ऐलान करके हिमाचल को नाखून चबाने की स्थिति में ला खड़ा किया है। पंद्रहवें वित्तायोग ने पांच सालों में 49 हजार करोड़ की मदद, रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट यानी आरडीजी के रूप में दी, उसे पूरी तरह खत्म कर गिया गया है। अगर केंद्र हिमाचल जैसे छोटे व पर्वतीय राज्यों को वित्तीय अनुशासन सिखाना चाहता है, तो मिलकीयत में मिले अधिकारों की पहचान जरूरी है। बेशक आत्मनिर्भर होने के रास्ते हैं, लेकिन इसके लिए हिमाचल के अधिकारों से पर्दा हटना चाहिए। यह जल, जंगल और जमीन की लड़ाई है, जिसका मोल-तोल होना चाहिए। बेशक राज्य की आर्थिक स्थिति व केंद्र से मिले झटके पर मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई गई है, लेकिन इसे लेकर सर्वदलीय बैठक भी आहूत करनी होगी। मसला हिमाचली अधिकारों का है, तो वो दौर भी याद करना होगा जब बतौर मुख्यमंत्री शांता कुमार केंद्र में तत्कालीन कांग्रेस सरकार से मुफ्त बिजली की रॉयल्टी ले आए थे या प्रेम कुमार धूमल के मुख्यमंत्रित्व में केंद्र की अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने औद्योगिक पैकेज देकर प्रदेश की उत्पादन क्षमता को ताकत दी थी। इसी संदर्भ में कनेक्टिविटी, रेल या पर्यटन विकास पैकेज की अपेक्षा केंद्र से रही है। विडंबना यह है कि मैदानी प्रदेशों की सिंचाई परियोजनाओं के लिए केंद्र के भंडार भरे नजर आते हैं, लेकिन पौंग, गोविंद सागर व अन्य जलाशयों एवं विद्युत परियोजनाओं से हिमाचल को आज भी ठेंगा मिल रहा है। न विस्थापितों का दर्द पौंछा गया और न ही केंद्र के सार्वजनिक उपक्रमों में इस्तेमाल होता पानी हमारे लिए आर्थिक संबल बना। ऐसे में वाटर सैस जैसे स्वावलंबी कदम को रोक के बैठी केंद्र सरकार आखिर तोल क्या रही है। क्या प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करने वाले राज्य को केंद्रीय बजट के आबंटन तथा वित्तीय आयोग की सिफारिशों में केवल शून्यता ही मिलेगी। अधिकार तो पंजाब पुनर्गठन के भी सड़ रहे हैं और शानन विद्युत परियोजना की मिलकीयत में भी अपमान कर रहे हैं, तो फिर इंसाफ का राष्ट्रीय चरित्र है क्या। पहले पहाड़ी लोग सेना भर्ती के अगुआ होते थे, लेकिन अब कोटे में सामर्थ्य गायब है, लिहाजा शहादत के परिंदों का आकाश छोटा करके देखा जा रहा है। बहरहाल प्रदेश के लिए वित्तीय संदेश मातम मना कर तो समझे नहीं जा सकते। जिम्मेदारी का एक फलक अगर हमारे राज्यसभा तथा लोकसभा पहुंचे भाजपा सांसदों का है, तो दूसरी ओर यह राज्य सरकार के मंतव्यों और तरीकों की समीक्षा भी है।

एक अधूरी लड़ाई को अंजाम तक ले जाने की जरूरत

डॉ योगेन्द्र

ठंड उतर रही है, लेकिन अभी तक आम में मंजर नहीं आये। मंजर यानी सृजन। प्रकृति रचती रहती है। मनुष्य को ठौर ठिकाना देती है। थोड़ा सिखाती भी है, दुत्कारती भी है। वह कहती है कि रचना में ही जीवन है। मनुष्य बार बार विध्वंस की ओर भागता है। यों तो हिन्दू समाज यों भी विस्फोटक है। जाति विस्फोट की एक बड़ी वजह है। जाति किसने बनाई, कब बनाई, इससे फायदा किसको हुआ और किसको हानि हुई, इसे बने रहना चाहिए या खत्म कर देना चाहिए आदि अनेक प्रश्न हमारे सामने हैं। लोग अक्सर इन प्रश्नों के उत्तर ढूंढने में अपनी वस्तुनिष्ठता खो देते हैं। यूजीसी के निर्देशों पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा -' हस्तक्षेप नहीं किया तो खतरनाक असर , समाज बंटेगा।' माफ कीजिएगा मुख्य न्यायाधीश महोदय, आपकी नजर में क्या समाज बंटा हुआ नहीं है? क्या यूजीसी के इस निर्देश के पहले समाज में बल्ले बल्ले था? दरअसल हम आंखें बंद किए रहते हैं और दुर्घटना घटने का इंतजार करते रहते हैं। जातियां कायम रहेगीं, तो समाज बंटा हुआ रहेगा। मुख्य न्यायाधीश अगर सचमुच चाहते हैं कि समाज बंटा हुआ नहीं रहे तो जाति पर विचार करें। जाति सर्वश्रेष्ठता और जाति हीनता रहेगी तो समाज कभी शांत नहीं रहेगा। जाति मनुष्य को मनुष्य रहने नहीं देती। वह मनुष्य की सोच और विचार को बुरी तरह से प्रभावित करती है। महात्मा गांधी की हत्या एक वैचारिक संगठित गिरोह ने किया जिसका प्रतिनिधि नथूराम गोडसे था। आज भी कभी दबे और कभी प्रत्यक्ष रूप से इस वैचारिक परंपरा के लोग गोडसे का समर्थन करते हैं। गांधी की हत्या के पीछे की बड़ी वजह जाति ही थी।? गांधी प्रारंभिक दिनों में वर्ण-व्यवस्था के समर्थक थे और अस्पृश्यता के खिलाफ। उन्होंने लगातार अस्पृश्यता के खिलाफ आंदोलन चलाया। डॉ अम्बेडकर मानते थे कि अस्पृश्यता की जड़ जाति में है। जाति कायम रहेगी तो अस्पृश्यता भी किसी न किसी रूप में कायम रहेगी। डॉ अम्बेडकर को जाति के तीखेपन का जितना अहसास था, गांधी को नहीं था। गांधी जाति की भयंकरता का अहसास धीरे-धीरे हुआ। अंतिम दिनों में वे जाति के खिलाफ हो गये थे। यहां तक कि वे उसी शादी में शामिल होते थे वर- वधू में से एक अछूत वर्ग से होता था। डॉ अम्बेडकर का मानना था कि जाति तभी टूटेगी, जब बेटी बंदी खत्म होगी। गांधी की हत्या 1948 में हो गई और डॉ अम्बेडकर 1956 में चले गए। इसी दौर में डा राममनोहर लोहिया आये। डॉ अम्बेडकर और डॉ लोहिया एक व्यापक मंच बनाने को सोच ही रहे थे कि डॉ अम्बेडकर चल बसे। उत्तर भारत की जाति- जड़ता के खिलाफ समाजवादियों ने आवाज बुलंद की। यह संघर्ष ठोस रूप ग्रहण करता, इसके पहले एक छोटी-सी बीमारी के इलाज के क्रम में डा लोहिया 1967 में गुजर गये। बीजेपी जातिवादी और संप्रदायवादी पार्टी है। उसके जेहन और उसके समर्थक संगठनों में जातिवादी विषाणु है।? वह अपने स्वार्थ के लिए हिन्दू एकता की बात करती है, लेकिन जाति खत्म करने की बात नहीं करती। उसे एक ऐसा समाज चाहिए, जिसमें जाति की हीनता और सर्वोच्चता भी कायम रहे। आज एक ऐसे सामाजिक और राजनैतिक संघर्ष की जरूरत है जो महात्मा बुद्ध, महात्मा फुले, कबीर, पेरियार , गांधी, अम्बेडकर, राममनोहर लोहिया, कर्पूरी ठाकुर आदि के विचारों को आत्मसात करें और मनुष्य को केंद्र में रखे। जन्म के आधार पर सर्वश्रेष्ठता और निकृष्टता का निर्धारण कतई न हो। एक अधूरी लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाने की सख्त जरूरत है।

भारत के सामाजिक विकास की यात्रा में महिलाओं की स्थिति हमेशा एक निर्णायक कसौटी रही है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति केवल आर्थिक आँकड़ों या बुनियादी ढाँचे से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से आँकी जाती है कि वह अपने समाज के आधे हिस्से – महिलाओं को कितना सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर देता है। इसी सन्दर्भ में सुप्रीम कोर्ट ने 30 जनवरी 2026 को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए मासिक धर्म स्वास्थ्य को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मौलिक अधिकार घोषित किया है। कोर्ट ने देश के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में छात्राओं को मुफ्त और सुरक्षित बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

नारी देह, नारी अधिकारः माहवारी पर सुप्रीम कोर्ट की दृष्टि

ललित गर्ग

मासिक धर्म स्वच्छता को गरिमा और स्वास्थ्य के साथ जीने के मौलिक अधिकार का हिस्सा माना गया है। स्कूलों में साफ-सुथरे शौचालय और पानी की उचित व्यवस्था अनिवार्य है। इस निर्णय का उद्देश्य पीरियड्स के कारण लड़कियों की पढ़ाई में होने वाली बाधा को रोकना और उन्हें शर्मिंदगी से बचाना है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला महिलाओं और विशेषकर स्कूली लड़कियों की माहवारी से जुड़ी समस्या पर दिया गया ऐतिहासिक निर्णय, एक सशक्त और दूरदर्शी कदम है। कर्नाटक सरकार ने सरकारी और प्राइवेट क्षेत्र की महिला कर्मचारियों के लिए 12 दिन का सवेतन पीरियड लीव नीति को भी मंजूरी दी है। यह फैसला स्कूलों में मासिक धर्म प्रबंधन की कमी को दूर करने और छात्राओं के सम्मानजनक शिक्षा के अधिकार की सुरक्षा के लिए एक बड़ा कदम है। स्कूलों में अनिवार्य रूप से सेनेटरी पैड उपलब्ध कराने का निर्देश केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना को झकझोरने वाला संदेश है कि अब माहवारी जैसे विषय को चुप्पी, लज्जा और अज्ञान के अंधेरे में नहीं छोड़ा जा सकता।

विडंबना यह है कि जिस माहवारी को प्रकृति ने जीवन-चक्र का अनिवार्य और स्वस्थ हिस्सा बनाया है, उसे हमारे समाज ने सदियों से अपवित्रता, अशुद्धता और वर्जना से जोड़ दिया। परिणामस्वरूप, करोड़ों महिलाएँ और किशोरियाँ न केवल शारीरिक कष्ट झेलती हैं, बल्कि मानसिक पीड़ा, हीनभावना और सामाजिक बहिष्कार का भी सामना करती हैं। आज भी भारत के अनेक हिस्सों में माहवारी के दौरान लड़कियों को रसोई, पूजा, स्कूल और सामाजिक गतिविधियों से दूर रखा जाता है। यह व्यवहार केवल परंपरा नहीं, बल्कि स्त्री की गरिमा और अधिकारों का प्रत्यक्ष हनन है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी कि माहवारी स्वच्छता की कमी महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुँचाती है इस पूरे विमर्श को एक नई संवैधानिक दृष्टि देती है। संविधान द्वारा प्रदत्त जीवन और गरिमा के अधिकार को यदि वास्तविक अर्थों में लागू करना है, तो महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देनी ही होगी। स्कूलों में सेनेटरी पैड की अनिवार्य व्यवस्था इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि कई अध्ययन बताते हैं कि स्वच्छता सुविधाओं के अभाव में बड़ी संख्या में लड़कियाँ किशोरावस्था में ही पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो जाती हैं। यह केवल शिक्षा का नुकसान नहीं, बल्कि पूरे समाज की बौद्धिक और नैतिक पूंजी की क्षति है। न्यायालय ने शिक्षा को एक 'मल्टीप्लायर राइट' बताया जो अन्य मानवाधिकारों के उपयोग की कुंजी है। न्यायालय ने इस निर्णय को केवल आदर्शों की घोषणा तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे जमीन पर उतारने के लिए स्पष्ट और व्यावहारिक निर्देश दिए। कक्षा 6 से 12 तक की सभी छात्राओं को मुफ्त, उच्च गुणवत्ता वाले ऑक्सो-बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया। इन पैड्स का एएसटीएम डी-6954 जैसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होना अनिवार्य किया गया, ताकि स्वास्थ्य सुरक्षा के साथ पर्यावरण संरक्षण भी सुनिश्चित हो सके। साथ ही, पैड्स की सहज, सुरक्षित और गोपनीय उपलब्धता के लिए स्कूलों में वेंडिंग मशीन या नामित अधिकारी की व्यवस्था तय की गई, जिससे छात्राओं की झिझक और असहजता पूरी तरह दूर की जा सके। इसके साथ ही स्कूलों में मासिक धर्म स्वास्थ्य प्रबंधन कॉर्नर स्थापित करने का आदेश दिया गया, जहाँ अतिरिक्त यूनिफॉर्म, स्पेयर इनरवियर, डिस्पोजेबल बैग और आवश्यक स्वच्छता सामग्री उपलब्ध होगी। दिव्यांग छात्राओं के लिए व्हीलचेयर-अनुकूल शौचालय और सहायक उपकरण जैसी विशेष सुविधाएँ अनिवार्य की गईं। निजी स्कूलों द्वारा निर्देशों की अवहेलना पर मान्यता रद्द करने का प्रावधान रखकर जवाबदेही को मजबूत किया गया, ताकि यह फैसला केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि हर छात्रा के जीवन में वास्तविक बदलाव ला सके।

माहवारी स्वच्छता केवल पैड उपलब्ध कराने तक सीमित विषय नहीं है। इसके साथ जुड़ा है स्वच्छ शौचालय, साफ पानी, कचरा निस्तारण की व्यवस्था और सबसे महत्वपूर्णकृसही जानकारी। आज भी अनेक लड़कियाँ पहली माहवारी के समय भय, भ्रम और अपराधबोध से घिर जाती हैं क्योंकि उन्हें पहले से कोई वैज्ञानिक और संवेदनशील जानकारी नहीं दी जाती। स्कूलों में यदि स्वास्थ्य शिक्षा को गंभीरता से लागू किया जाए और माहवारी को एक सामान्य जैविक प्रक्रिया के रूप में समझाया जाए, तो यह डर और संकोच स्वतः समाप्त हो सकता है। यह भी सच है कि माहवारी को लेकर समाज में फैली चुप्पी पुरुषों की भूमिका को भी प्रश्नों के घेरे में लाती है। जब तक पुरुष-चाहे वे पिता हों, शिक्षक हों, प्रशासक हों या नीति-निर्माता, इस विषय को केवल महिलाओं का मामला मानकर किनारे करते रहेंगे, तब तक वास्तविक बदलाव संभव नहीं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश इस दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हैं कि उन्होंने समाज और खासकर पुरुषों को संवेदनशील बनने का अवसर दिया है। जागरूकता का अर्थ केवल महिलाओं को सशक्त बनाना नहीं, बल्कि पुरुषों को सहृदय और जिम्मेदार बनाना भी है।

ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में माहवारी से जुड़ी चुनौतियाँ और भी गंभीर हैं। वहाँ आज भी कपड़े, राख या अस्वच्छ साधनों का उपयोग आम है, जिससे संक्रमण और दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। सरकारी योजनाएँ और गैर-सरकारी प्रयास मौजूद हैं, परंतु उनकी पहुँच और प्रभावशीलता अभी भी सीमित है। सुप्रीम कोर्ट का निर्णय यदि ईमानदारी से लागू होता है, तो यह नीति और जमीन के बीच की खाई को पाटने में सहायक हो सकता है। यह भी विचारणीय है कि माहवारी स्वच्छता को केवल कल्याणकारी योजना न मानकर महिला अधिकारों के व्यापक ढाँचे में देखा जाए। स्वास्थ्य का अधिकार, शिक्षा का अधिकार और समानता का अधिकार-तीनों इस विषय से सीधे जुड़े हैं। एक ऐसी व्यवस्था जहाँ लड़की केवल इसलिए स्कूल न जा सके क्योंकि उसके पास सेनेटरी पैड नहीं हैं, वह व्यवस्था संविधान की आत्मा के विपरीत है। इसलिए यह फैसला सामाजिक न्याय की अवधारणा को भी मजबूती देता है।

आज भारत नए प्रवेश के साथ आगे बढ़ने की बात करता है- डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और विश्वगुरु बनने की आकांक्षा रखता है। किंतु यदि इस विकास की गाथा में महिलाओं की बुनियादी आवश्यकताएँ और सम्मान शामिल नहीं हैं, तो यह प्रगति खोखली सिद्ध होगी। वास्तविक विकास वही है जो सबसे कमजोर वर्ग की पीड़ा को समझे और उसे दूर करने का साहस रखे। माहवारी जैसे विषय पर खुली चर्चा उसी साहस का प्रतीक है। समाज में जन-जागृति लाना इस पूरी प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण चरण है। कानून और आदेश दिशा दिखा सकते हैं, परंतु मानसिकता बदलना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। मीडिया, शिक्षा संस्थान, धार्मिक और सामाजिक संगठन सभी को मिलकर माहवारी को लेकर फैली भ्रांतियों को तोड़ना होगा। इसे शर्म का नहीं, स्वास्थ्य और स्वाभिमान का विषय बनाना होगा। अंततः, सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय एक शुरुआत है, मंज़िल नहीं। इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि हम इसे कितनी ईमानदारी से लागू करते हैं और कितनी संवेदनशीलता से अपनाते हैं। यदि हम सचमुच एक समावेशी, न्यायपूर्ण और मानवीय भारत का निर्माण चाहते हैं, सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास के साथ नया भारत बनाना चाहते हैं तो महिलाओं के स्वास्थ्य और अधिकारों को विकास के केंद्र में रखना ही होगा। माहवारी से मुक्ति का अर्थ केवल शारीरिक सुविधा नहीं, बल्कि मानसिक, सामाजिक और संवैधानिक स्वतंत्रता है। यही स्वतंत्रता किसी भी सभ्य और प्रगतिशील समाज की पहचान होती है।

काम व शरीर को ठीक करने हेतु शांति जरुरी

आज मोबाइल के युग में मन में अशांति रहती है हमारी आँखें प्रतिपल संसार में पूर्णता खोज रही हैं यही कारण है कि मन इतना अशांत रहता है, जब तक मन उस एक को नहीं पा लेगा जिसकी उम्मीद वो संसार से रखता है तब तक अशांति बनी रहेगी,अशांति तो मन में ही होती और उसी को जागरूक करना होता है और मन शांत हो जाए तो आन्तरिक शांति आ जाती है। फिर अशांत व्यक्ति के लिए कहने में तो यही आता है कि रेस्ट लेस बॉडी है।

संजय गोस्वामी

यह सही है क्योंकि राम का नाम को बोलने से हमारी स्टेटिक एनर्जी और डायनामिक एनर्जी दोनों सक्रिय होते हैं उसके पश्चात आप भगवान राम को जब जोड़ देते हैं तो आप अपनी ऊर्जा को स्टैटिक ऊर्जा की ओर एक प्रकार से बढ़ाने का प्रयास करते हैं जो स्थायित्व देता है। और ह्रदय में यह गूंज स्वाभाविक है। क्योंकि यह राम नाम का तरंग की ऊर्जा आपके पूरे शरीर को आंदोलन करती है और हमारा मस्तिष्क ध्यान करने पर अपनी सुग्रहता को बढ़ा देता है जिस कारण हमको यह गूंज वहां सुनाई देती है। इस मानव के शरीर में तो प्रभु राम ने बहुत कृपा की है। बॉडी के अंदर रिपेयर सिस्टम है साधारणतय यह कृपा बड़े बड़ों के ऊपर नहीं की जाती है। इसकी अनुभूति बार-बार होती है भगवान राम का ध्यान करने से अब चाहे कोई द्वैत बोले अद्वैत बोले कोई भी बोले वह सब तर्क वितर्क की बातें हैं लेकिन जहां अनुभूति की बात होती है बहुत से लोग मन की चाल बाजियां कह सकते हैं, कहते रहे लेकिन जो प्रभु राम की लीला की कृपा होती है उस पर मैं बार-बार बलिहारी होता हूं। जिस तरीके से प्रश्न को और जिज्ञासा को समझाया जाता है वह वैज्ञानिक आधार पर खराब उतरता है और स्वयं मुझे संतुष्ट करता है यह केवल और केवल प्रभु की कृपा ही है अब ज्ञानी जान भले ही कुछ भी भाषण देते रहे बोलते रहे समझाते रहे, चमत्कार दिखाते रहे लेकिन उनको समझने का मन नहीं करता है क्योंकि जब ईश्वर राम स्वयं समझाता है अंदर से बोली आती है तो मन धन्य हो जाता है। मन द्रवित हो जाता है प्रभु की कृपा देखकर जिस तरह के गुण संस्कार उसके उसके माता पिता समाज से मिलते हैं वह उसी गुण को धारण करता है और वही वर्ण बन जाता है संस्कृत धातु भज् (bhaj) का मुख्य अर्थ सेवा करना, पूजा करना, आराधना करना या भक्ति करना है, जिससे भक्ति और भजन शब्द बने हैं।जो भी भगवान राम की भक्ति करता है उसमें सेवा का भाव आता है जो भक्ति का ही अंग है । सेवा एक बहुत सुंदर आराधना का रूप है । भजन जिसमें प्रभु राम का स्मरण करते हैं। सेवा कर्मों से प्रभु का स्मरण है । कौन हिस्सा होगा यह जिनकी योजना है वहीं चयन करते हैं। लीला रचाते हैं। हिस्सा बनना है तो उनकी (भगवान राम की) शरण में जाओ। प्रार्थना करो। शरणागति सुदृढ़ बनाओ। जीव दशा से मुक्त होने का प्रयास बढ़ाओ। हम सब हिस्सा ही हैं इस सृष्टि में जितने भी मनुष्य हैं सबको काम सौंपे हैं आप देख नहीं रहे किसान, मजदूर,पत्रकार ,शिक्षक सबको काम मिला है कि नहीं संसार का हिस्सा सब है। महाभारत में दुर्योधन आदि भी हिस्सा ही थे। लेकिन स्तर अलग अलग हो सकते हैं। भीड़ का हिस्सा मत बनो। भगवान राम के युग कार्य का हिस्सा बनो। उनके यंत्र बनो। – ईश्वर के यंत्र ही हम सब वो अलग बात है कि किसी को पता रहता है किसी को नहीं किसी पंखे को भान रहता है कि मुझे लाइट चला रही है और कोई समझता है मैं स्वयं चल रहा हूं विज्ञान की अपनी मर्यादा है विज्ञान पूछता है– यह कैसे होता है? विज्ञान– जाँचता है, प्रयोग करता है और प्रमाण मांगता है। लेकिन विज्ञान यह नहीं बताता– जीवन का अंतिम अर्थ क्या है। सहीङ्गलत कैसे तय करें। भगवान राम की साधना मर्यादा का पालन करना है साधना सिखाती है– मैं कौन हूँ? दुख क्यों है? शांति कैसे मिले? लेकिन हर अनुभव हर व्यक्ति पर लागू नहीं होता। इसलिए आध्यात्म को फुल-प्रूफ विज्ञान बनाकर बेचना गलत है। जब तक भगवान राम के अर्थ को हम समझ नहीं पाते तब तक हम मौन और शांत रूप प्राप्त नहीं होंगे तब तक में कोई भी चर्चा निरर्थक कहीं जा सकती है। राम को पाना ही यही जीवन का अंतिम लक्ष्य है।गौतम ऋषि की पत्नी को इंद्र के छल के कारण गौतम ऋषि के श्राप से अहिल्या पत्थर बनी और भगवान राम के चरण स्पर्श से पुनः जीवित हो गई एक मात्र ईश्वर भगवान राम है जो यह बताता है कि भगवान राम जे चरण स्पर्श मात्र से पत्थर जो निर्जीव है वो भी सजीव हो जायेगा कठोर कठोर चीज भी चरण स्पर्श मात्र से पिघल कर राम के भक्ति में लीन हो जायेगा।

पुलिसिंग सख्त, बीट गश्त फिर शुरू: टेक्निकल जांच के चलते बीट सिस्टम हो गई थी सुस्त 3 शिफ्ट लगेगी, मैदान में दिखेंगे हेड-कॉन्स्टेबल

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। पुलिसिंग में कसावट लाने और सूचना तंत्र मजबूत बनाने के लिए फिर से बीट प्रणाली की व्यवस्था शुरू की गई है इसके जरिए अपराधियों पर नजर रखने और वारदातों को रोकने के लिए जवान अब अपने-अपने इलाके में एक्टिव नजर आएंगे मंगलवार की शाम एसएसपी रजनेश सिंह ने बाइक सवार सभी बीट प्रभारियों को हरी झंडी दिखाकर फील्ड में रवाना किया जिले के सभी थानों में यह व्यवस्था मंगलवार से लागू कर दी गई है इस व्यवस्था के तहत तीन शिफ्ट में जवान बीट की निगरानी करेंगे साथ ही संबंधित बीट में होने वाली आपराधिक गतिविधियों और गुंडे-बदमाशों की हरकतों पर नजर रखी जाएगी इलाके में होने वाली चोरी जैसी वारदातों पर तत्काल संबंधित क्षेत्र के मुखबिरों को सक्रिय कर आरोपियों तक पहुंचा जाएगा इन्हीं उद्देश्यों को ध्यान में रखकर बीट व्यवस्था को थोड़े बदलाव के साथ जिले में फिर से शुरू किया गया है नई व्यवस्था को पहले से अधिक प्रभावी बनाने की कोशिश की गई है। हालांकि, बल की कमी के कारण हवलदारों को भी बीट पर लगाया गया है शहरी क्षेत्र के लिए- नई व्यवस्था में हर थाना क्षेत्र में तीन से चार बीट बनाए गए हैं। तीन शिफ्ट में जवान बीट की निगरानी करेंगे सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक पहली शिफ्ट और दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे तक दूसरी शिफ्ट गश्त पर रहेगी रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक बीट प्रभारी राइफल लेकर गश्त करेंगे ग्रामीण क्षेत्र के लिए- ग्रामीण इलाकों के थाना क्षेत्रों में दो शिफ्ट में टीम गश्त करेगी पहली टीम सुबह और दूसरी टीम रात में गश्त करेगी। ग्रामीण क्षेत्रों में दो से तीन बीट बनाए गए हैं बल की कमी बन सकती है बड़ी चुनौती नई व्यवस्था में बल की कमी बड़ी चुनौती है इससे हवलदारों को बीट गश्त के बाद डायरी की जांच भी करनी होगी जिसके चलते उन पर काम दबाव बढ़ेगा इसे लेकर वो चिंतित हैं अफसरों ने बताया कि, शहरी क्षेत्र में छोटे थानों में 2-3 और बड़े थाना क्षेत्रों में 4 बीट बनाई गई हैं हर बीट में एक समय पर 6 जवान गश्त पर रहेंगे तीन शिफ्ट में कुल 24 जवान व्यस्त रहेंगे इससे थाने का कामकाज प्रभावित हो सकता है इतना ही नहीं, शिफ्ट खत्म होने के बाद बुलाने पर आरक्षक भी थाने आने में मनमानी कर सकते हैं टेक्नीकल इनपुट और फुटेज के भरोसे थी पुलिस पिछले तीन साल से बीट व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी थी थानों की टीम पूरी तरह एसीसीयू के टेक्नीकल इनपुट, सीसीटीवी फुटेज और गिने-चुने मुखबिरों के भरोसे सिमट कर रह गई थी ऐसे अपराधों में मोबाइल, सीसीटीवी कैमरे आदि का इस्तेमाल नहीं होने पर आरोपियों को पकड़ने में पुलिस को काफी समय लग रहा था।

विश्व कैंसर दिवस पर किशोरियों को मिला स्वास्थ्य का संदेश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर जिले में बालिकाओं के स्वास्थ्य संरक्षण एवं कैंसर की रोकथाम को लेकर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत 01 से 10 फरवरी तक चलाए जा रहे जनजागरूकता अभियान की श्रृंखला में शासकीय हाई स्कूल छिपछिपी में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ भारत सरकार की महत्वाकांक्षी बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत जिला कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी आदित्य शर्मा के मार्गदर्शन में महिला सशक्तिकरण केंद्र के माध्यम से कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरी बालिकाओं को कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के प्रति सजग करना तथा इसके संभावित कारणों, प्रारंभिक लक्षणों, रोकथाम एवं समय पर उपचार के महत्व से अवगत कराना रहा

कार्यक्रम में बताया गया कि संतुलित एवं पौष्टिक आहार, नियमित दिनचर्या, पर्याप्त जल सेवन और समय पर भोजन अपनाकर कई गंभीर बीमारियों से बचाव संभव है विशेष रूप से तंबाकू, गुटखा, शराब एवं अन्य नशीले पदार्थों से दूर रहने की अपील की गई तथा बालिकाओं को अपने परिवार और समाज में नशा विरोधी जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया गया साथ ही एनीमिया की रोकथाम, शारीरिक कमजोरी से बचाव और स्वास्थ्यवर्धक जीवनशैली पर भी विस्तार से चर्चा की गई परीक्षाओं के नजदीक होने से विद्यार्थियों पर पड़ने वाले मानसिक तनाव को ध्यान में रखते हुए उन्हें सकारात्मक सोच, संतुलित खान-पान और मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए प्रोत्साहित किया चुप्पी तोड़ो-खुलकर बोलो अभियान तथा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच के महत्व की जानकारी दी गई इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की भी जानकारी साझा की गई बालिकाओं को नवा बिहान, सखी वन स्टॉप सेंटर 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, नोनी सुरक्षा योजना, महतारी जतन, महतारी वंदन, मातृ वंदन योजना, महिला कोष, कन्या विवाह योजना, पालना योजना, सीडब्ल्यूसी एवं जेजेबी जैसी योजनाओं के उद्देश्य एवं लाभों से अवगत कराया गया।

पंचमुखी हनुमान मंदिर से दानपेटी चोरी रात 2:45 बजे बाउंड्री कूदकर घुसा था चोर हजारों की नकद ले गया

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शहर के पंचमुखी हनुमान मंदिर से अज्ञात चोर ने रात के समय दानपेटी चोरी कर ली चोरी की यह पूरी वारदात मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है मंदिर के पुजारी सोनू शर्मा (25), जो पंचमुखी हनुमान मंदिर, सिद्धविनायक हॉस्पिटल के पास रहते हैं ने थाने में मौखिक रिपोर्ट दर्ज कराई उन्होंने बताया कि मंगलवार देर रात करीब 11 बजे मंदिर के पट बंद कर वे घर चले गए थे। अगली सुबह 4 फरवरी को लगभग 5 बजे मंदिर की सफाई करने वाले कैलाश योगी ने उन्हें दानपेटी गायब होने की सूचना दी सूचना मिलने पर पुजारी ने मंदिर पहुंचकर जांच की उन्हें सिंदूरी रंग की लोहे की दानपेटी अपने स्थान पर नहीं मिली सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर पता चला कि रात करीब 2:45 बजे एक अज्ञात व्यक्ति मंदिर की बाउंड्री कूदकर अंदर आया और दानपेटी उठाकर ले गया पुजारी के अनुसार, दानपेटी में 10, 20, 50 और 100 रुपए के नोटों के साथ चिल्लर भी थी जिसकी कुल राशि लगभग 6 हजार रुपए थी दानपेटी को आखिरी बार 31 जनवरी को खोला गया था चोरी हुई दानपेटी की अनुमानित कीमत 2100 रुपए बताई गई है पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आगे की जांच शुरू कर दी है।

6 घंटे बिजली कटौती : कमलागंज, विवेकानंद फीडर से जुड़े बैंक कॉलोनी, नवग्रह मंदिर इलाकों में सप्लाई ठप

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शहर में आज बिजली सप्लाई कुछ समय के लिए बंद रहेगी विद्युत विभाग ने यह कटौती एसएसटीडी योजना के तहत फीडर विभक्तिकरण के काम के कारण की है विभाग के अनुसार 33/11 केवी व्ही. डाकबंगला उपकेंद्र से जुड़े 11 केवी कमलागंज और 11 केवी विवेकानंद फीडर की बिजली 4 फरवरी को सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक बंद रहेगी इन इलाकों में होगी कटौती इस दौरान कमलागंज, बैंक कॉलोनी, बाबूक्वाटर, नवग्रह मंदिर के आसपास का क्षेत्र, विवेकानंद कॉलोनी, डी.जे. साहब की कोठी और सहगल टेंट हाउस से जुड़े सभी इलाकों में बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी विद्युत विभाग ने लोगों को होने वाली असुविधा के लिए खेद जताया है और नागरिकों से अपील की है कि वे अपने जरूरी काम समय रहते निपटा लें विभाग ने बताया कि काम पूरा होते ही बिजली आपूर्ति तुरंत बहाल कर दी जाएगी।

सिंधिया के निर्देश पर जाधव सागर से जलकुंभी हटाई किनारे छोड़ने से संकट फिर बढ़ने लगी, वैज्ञानिक तरीके से नहीं किया

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। ऐतिहासिक जाधव सागर से जलकुंभी हटाने के बाद राहत की उम्मीद थी लेकिन सफाई का तरीका सही नहीं होने से समस्या फिर बढ़ गई तालाब से निकाली गई जलकुंभी को पूरी तरह नष्ट करने की बजाय किनारे छोड़ दिया गया जिससे वह दोबारा हरी होने लगी है तालाब की पार से रिसते पानी और पास की खराब पार के गंदे पानी के संपर्क में आने से सूखी जलकुंभी में फिर से जान आ गई है विशेषज्ञों का कहना है कि कुछ ही दिनों में यह जलकुंभी फिर से तालाब में फैल सकती है और सफाई का पूरा काम बेअसर हो जाएगा यह सफाई केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के निर्देश पर की गई थी लेकिन जलकुंभी को अधूरा नष्ट करने के कारण अब इस प्रयास की प्रभावशीलता पर सवाल उठ रहे हैं स्थानीय निवासी कहते हैं कि जलकुंभी को समय पर उठाकर वैज्ञानिक तरीके से नष्ट नहीं किया गया तो हालात पहले से भी ज्यादा खराब हो सकते हैं पहले भी हुई थी यही गलती यह पहली बार नहीं है पहले भी माधव नेशनल पार्क के तालाबों में मैनुअल सफाई के दौरान जलकुंभी को किनारे छोड़ दिया गया था नमी मिलने पर वह फिर से पानी में फैल गई थी नगर पालिका के सीएमओ इशांक धाकड़ ने कहा कि ठेकेदार को जलकुंभी हटाकर सही तरीके से नष्ट करने के निर्देश दिए गए थे यदि ऐसा नहीं हुआ है तो वे तुरंत मामले की जांच करेंगे और जलकुंभी हटवाने के नए निर्देश जारी करेंगे।

ब्लॉक कांग्रेस ने स्श्वष्टरुजीएम से की अहम बैठक स्थानीय रोजगार व जनसमस्याओं के त्वरित समाधान की मांग

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। ब्लॉक अध्यक्ष शिवांश जैन के नेतृत्व में ब्लॉक कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल ने आज चिरमिरी क्षेत्र (SECL) के महाप्रबंधक (जीएम) से एक महत्वपूर्ण बैठक कर क्षेत्र से जुड़ी जनहित की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया इस दौरान प्रतिनिधि मंडल द्वारा जीएम को एक ज्ञापन सौंपा गया जिसमें स्थानीय रोजगार, शिक्षा, सामाजिक सुविधाओं और स्वच्छता से संबंधित मांगों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की गई ज्ञापन में अंजनहिल नवीन प्राइवेट खदान में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार देने की मांग की गई प्रतिनिधियों ने कहा कि खदान के संचालन और विस्तार से क्षेत्रीय बेरोजगार युवाओं को लाभ मिलना चाहिए इसके साथ ही डोमन्हिल मंगल भवन पर लगे स्टे को शीघ्र हटाने की मांग उठाई गई, जिससे क्षेत्रवासी सामाजिक व सांस्कृतिक आयोजनों के लिए भवन का उपयोग कर सकें DAV पब्लिक स्कूल स्श्वष्टरु बरतुंगा में स्नत्न कक्षा से एक अतिरिक्त सेक्शन खोलने तथा क्षेत्र में कचरा सफाई व्यवस्था को और मजबूत बनाने पर भी जोर दिया गया प्रतिनिधियों ने बताया कि गंदगी के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं बैठक के बाद शिवांश जैन ने कहा कि कांग्रेस पार्टी क्षेत्रवासियों के हितों के लिए निरंतर संघर्ष करती रहेगी प्रतिनिधि मंडल में नेता प्रतिपक्ष गायत्री बिरहा, मंडल अध्यक्ष उमाशंकर रामप्यारे चौहान, इंद्रजीत सिंह लाटू, उप नेता प्रतिपक्ष इकराम आजमी, पार्षद राहुल पटेल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे जीएम ने ज्ञापन प्राप्त कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

जनदर्शन से पीएम पोर्टल तक लंबित मामलों पर कलेक्टर नाराज़, त्वरित निराकरण के सख्त निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में प्रशासनिक कसावट लाने के उद्देश्य से आयोजित समय-सीमा बैठक में कलेक्टर ने स्पष्ट और कड़े शब्दों में संदेश दिया कि शासन की प्राथमिकताओं से जुड़े कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही, शिथिलता या अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी बैठक में जिले के समस्त विभागों के लंबित प्रकरणों की गहन समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को चेताया कि अब केवल फाइलों की कार्रवाई नहीं, बल्कि आम जनता को वास्तविक और समयबद्ध समाधान दिखाई देना चाहिए। कलेक्टर ने भू-अभिलेख, शिक्षा, स्वास्थ्य, आयुष, उद्यानिकी, लोक निर्माण विभाग, हाउसिंग बोर्ड, सहकारी संस्थाओं और नगर निकायों से संबंधित भूमि चिन्हांकन व आवंटन के मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए डीएवी की भूमि स्थिति तत्काल स्पष्ट करने, एसईसीएल से लंबित स्वीकृतियां शीघ्र प्राप्त करने तथा अमृत मिशन, डीएमएफ कन्या छात्रावास, रिडेवलपमेंट योजना, नागपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, ट्रांजिट हॉस्टल, आयुर्वेद औषधालय, शासकीय नर्सरी और उद्यानिकी कार्यालय के लिए भूमि चिन्हांकन की प्रक्रिया बिना किसी देरी के पूर्ण करने के निर्देश दिए गए नगर पालिका परिषद मनेन्द्रगढ़ और नगर निगम चिरमिरी को सख्त निर्देश देते हुए कलेक्टर ने कहा कि सांस्कृतिक भवन, पीएमएवाई मल्टी स्टोरीड भवन, ईडब्ल्यूएस कॉलोनी, अटल आवास योजना, जल आपूर्ति परियोजना और अमृत मिशन के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों में किसी भी स्तर पर ढिलाई नहीं होनी चाहिए सभी प्रस्ताव पूर्ण दस्तावेजों के साथ तत्काल राज्य कार्यालय को भेजे जाएं और बैंक एटीएम हेतु दुकान आवंटन सहित नगरीय सुविधाओं के विस्तार में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित की जाए जनदर्शन, पीजीएन, प्रधानमंत्री पोर्टल, मुख्यमंत्री जनदर्शन और वेब माध्यम से प्राप्त लंबित आवेदनों की समीक्षा के दौरान बड़ी संख्या में शिकायतें लंबित पाए जाने पर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की उन्होंने दो टूक कहा कि जनसमस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी तरह की उदासीनता सीधे जिम्मेदारी तय करेगी कृषि, खाद्य, जल संसाधन, खनिज, पुलिस, विद्युत, नगर निकाय, पंचायत, परिवहन, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा और स्वास्थ्य सहित सभी विभागों को निर्देश दिए गए।

पीएम-श्रम योगी मानधन और एनपीएस ट्रेडर्स योजना के लिए विशेष पंजीकरण अभियान

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। शासन के मुख्य सचिव कार्यालय, महानदी भवन तथा श्रमायुक्त कार्यालय, नवा रायपुर अटल नगर द्वारा जारी निर्देशों के तहत प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन (PM-SYM) एवं एनपीएस-ट्रेडर्स योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिले में विशेष पंजीकरण अभियान चलाया जाएगा इस अभियान के अंतर्गत जिले के शहरी क्षेत्रों में चरणबद्ध तरीके से विशेष शिविरों का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है जिसे कलेक्टर द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया है विशेष पंजीकरण अभियान के अंतर्गत 30 जनवरी से 13 फरवरी 2026 तक नगर निगम, नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायत क्षेत्रों में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

पुलिस को खुली चुनौती! एसईसीएल जीएम कॉलोनी में 25 लाख की मेगा चोरी, खाली क्वार्टर बना चोरों का सेफ ज़ोन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। पोड़ी थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की पोल खोलती एक सनसनीखेज चोरी की वारदात सामने आई है। चिरमिरी स्थित एसईसीएल जीएम कॉम्प्लेक्स कॉलोनी में अज्ञात चोरों ने बेखौफ होकर लाखों की चोरी को अंजाम देकर पुलिस को खुली चुनौती दे डाली इस हाई-प्रोफाइल चोरी में सोने-चांदी के कीमती जेवरात नगदी और दो लैपटॉप सहित करीब 20 से 25 लाख रुपये का सामान पार कर दिया गया जानकारी के मुताबिक जीएम कॉम्प्लेक्स की सी-टाइप कॉलोनी में निवासरत सरकार परिवार 28 जनवरी को इलाज के लिए बिलासपुर गया हुआ था कई दिनों से मकान बंद होने की रेकी कर रहे चोरों ने 1 फरवरी की रात को वारदात को अंजाम दिया चोरों ने सबसे पहले रोशनदान तोड़ा और उसके बाद भीतर घुसकर कमरे के दरवाजे को लोहे की रॉड से तोड़ डाला इसके बाद एक-एक कर तीन अलमारियों के ताले तोड़े गए अलमारियों में रखे सोने-चांदी के बहुमूल्य आभूषण लगभग 20 हजार रुपये नगद दो लैपटॉप और अन्य कीमती सामान समेटकर चोर बड़ी ही आसानी से फरार हो गए चौंकाने वाली बात यह है कि एसईसीएल जैसी हाई-सिक्योरिटी मानी जाने वाली कॉलोनी में इतनी बड़ी वारदात के दौरान किसी को भनक तक नहीं लगी चोरी की सूचना मिलते ही सरकार परिवार बिलासपुर से चिरमिरी पहुंचा घर के भीतर का नजारा देखकर परिवार के होश उड़ गए कमरों में सामान बिखरा पड़ा था अलमारियां टूटी हुई थीं दीवान और किचन तक अस्त-व्यस्त मिले इससे साफ जाहिर होता है कि चोरों को न तो पुलिस का डर था और न ही पकड़े जाने की कोई आशंका घटना की जानकारी मिलते ही पोड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा आसपास के इलाकों में पूछताछ और सीसीटीवी फुटेज खंगालने की बात कही जा रही है लेकिन फिलहाल कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा है घटना के बाद क्षेत्रवासियों में भारी आक्रोश है लोगों का कहना है कि यदि एसईसीएल जीएम कॉलोनी जैसी सुरक्षित मानी जाने वाली जगह पर चोर इतने बेखौफ हैं तो आम नागरिकों की सुरक्षा भगवान भरोसे ही है स्थानीय लोगों ने रात्रि गश्त बढ़ाने और चोरी का शीघ्र खुलासा करने की मांग की है अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या पुलिस इस हाई-प्रोफाइल चोरी का पर्दाफाश कर पाएगी, या फिर चोर एक बार फिर कानून को ठेंगा दिखाकर फरार रहेंगे पूरे इलाके की निगाहें अब पुलिस की कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

नशाखोरों और अड्डेबाजों पर ड्रोन से निगरानी. रात में घूमते मिले 15 नशेड़ियों से कान पकड़कर कराई उठक-बैठक, कई को चेतावनी देकर छोड़ा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। नशाखोरी, अड्डेबाजी और जेबकतरी की घटनाओं पर नजर रखने के लिए पुलिस ने ड्रोन कैमरों का इस्तेमाल शुरू कर दिया है मंगलवार रात पुलिस ने शहर के अलग-अलग इलाकों में ड्रोन उड़ाकर संदिग्ध स्थानों की लाइव मॉनिटरिंग की इस दौरान ड्रोन के जरिए संदिग्ध स्थानों की लाइव मॉनिटरिंग कर देर रात घूमने और नशा करने वालों पर कार्रवाई की गई। पुलिस ने 15 लोगों को कान पकड़कर उठक-बैठक कराई। कई युवकों से पूछताछ की गई, फिर चेतावनी देकर छोड़ दिया गया साइंस कॉलेज मेले में ट्रैफिक व्यवस्था पर ड्रोन से नजर सरकंडा क्षेत्र के साइंस कॉलेज मैदान में चल रहे व्यापार मेले में भीड़ और यातायात व्यवस्था पर निगरानी के लिए ड्रोन का उपयोग किया गया मेले के प्रवेश और निकास मार्गों पर ड्रोन के जरिए ट्रैफिक की निगरानी की जा रही है कंट्रोल रूम से संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है सिविल लाइन थाना क्षेत्र के मंगला, धुरीपारा सहित अन्य इलाकों में ड्रोन से निगरानी की गई मंगला क्षेत्र में एक नाबालिग चाकू के साथ मिला इस इलाके में पुलिस ने 5 से अधिक लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है सीएसपी निमितेश सिंह ने बताया कि सिरगिट्टी क्षेत्र में ड्रोन से मिली लोकेशन और लाइव इनपुट के आधार पर पुलिस टीम ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी इस दौरान नशाखोरी और अड्डेबाजी में शामिल 15 लोगों को पकड़ा गया आरोपियों पर आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई लोकेशन चिन्हित कर छापेमारी, बदमाशों को भागने का मौका नहीं सीएसपी ने बताया कि शहर के कई क्षेत्रों में देर रात नशाखोरी और अड्डेबाजी करने वालों की शिकायतें मिल रही थी पुलिस के मौके पर पहुंचते ही बदमाश फरार हो जाते थे इसी वजह से इस बार पहले संदिग्ध स्थानों को चिन्हित किया गया।

मजदूर हाई टेंशन लाइन की चपेट में आया:बड़वानी की विवेकानंद कॉलोनी में निर्माणाधीन मकान पर काम करते समय हादसा

बड़वानी,(निप्र)। बड़वानी शहर की विवेकानंद कॉलोनी में बुधवार को एक बड़ा हादसा हो गया। निर्माणाधीन मकान की छत पर काम कर रहा एक मजदूर पास से गुजर रही हाई टेंशन बिजली लाइन की चपेट में आ गया। करंट लगने से मजदूर गंभीर रूप से झुलस गया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायल मजदूर की पहचान बड़वानी के नवलपुरा निवासी राजेश (26 वर्ष) के रूप में हुई है। घटना के तुरंत बाद, आसपास मौजूद लोगों की मदद से राजेश को शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार, उसकी हालत गंभीर बनी हुई है और उसका इलाज जारी है।

इस हादसे के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण स्थल के बेहद नजदीक से हाई टेंशन लाइन गुजर रही थी। इसके बावजूद, न तो सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए और न ही बिजली विभाग या निर्माण कराने वालों द्वारा कोई सावधानी बरती गई। इस घटना ने बिजली विभाग, ठेकेदार और निर्माण कार्य की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों ने प्रशासन से मामले की जांच कर लापरवाह जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से मजदूरों की जान जोखिम में न पड़े।

दुकानदार से मारपीट, युवक पर हमला

इटारसी,(निप्र)। पुराना बस स्टैंड पर पान दुकान चलाने वाले नरेश यादव (57) के साथ मारपीट हुई। आरोपी रजत तोमर दुकान से सामान लेने आया था। दुकानदार ने जब पैसे मांगे तो उसने गालीगलौज शुरू कर दी। विवाद बढ़ा तो आरोपी ने मारपीट की। जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। पुलिस ने आरोपी पर केस दर्ज किया है। दूसरी घटना बजरंगपुरा में हुई। राज टॉकीज के पास कंचन होटल के सामने अनिल बामने के साथ सुरेश उर्फ गोरा ने मारपीट की। गालीगलौज भी की। पीड़ित ने थाने पहुंचकर शिकायत दी। पुलिस दोनों मामलों में आरोपियों की तलाश कर रही है।

जबलपुर में तेज रफ्तार एक्टिवा से टकराया बारहसिंगा मौके पर मौत, दंपति घायल; जीसीएफ के पास हादसा

जबलपुर,(निप्र)। जीसीएफ फैक्ट्री स्थित पोस्ट ऑफिस के सामने सड़क पार कर रहा एक बारहसिंगा अचानक एक्टिवा सवार दंपति से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दंपति बीच सड़क पर गिर पड़े, जबकि बारहसिंगा ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे में दंपति गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत जीसीएफ सुरक्षा विभाग और वन विभाग को सूचना दी। बताया जा रहा है कि इससे पहले भी इसी इलाके में जंगली जानवर सड़क पार करते समय घायल हो चुके हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि पहाड़ी से सटे जंगल क्षेत्र को फेंसिंग से कवर किया जाए, ताकि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। जानकारी के अनुसार, हादसा बुधवार दोपहर करीब 3 बजे हुआ। दंपति रांझी से जबलपुर की ओर जा रहे थे, तभी एक बारहसिंगा, जिसे कुछ श्वानों ने खदेड़ दिया था, डर के कारण सड़क की ओर भागा और सीधे उनकी एक्टिवा से टकरा गया। सूचना मिलते ही जीसीएफ स्टेट के सुरक्षा कर्मचारी, नगर निगम और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। घायल दंपति कटंगी क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। बुजुर्ग का नाम हरिशंकर चमोली है, जो कि पत्नी लोकेश ध्यानी के साथ घर लौट रहे थे। घायल दंपति को मौके से निकल रहे लोगों ने संभाला और इलाज के लिए रवाना किया। घायल दंपति को मौके से निकल रहे लोगों ने संभाला और इलाज के लिए रवाना किया।

फैक्ट्री कर्मचारियों ने दी सूचना : घटना की सूचना मिलते ही फैक्ट्री के सुरक्षा अधिकारी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और मृत बारहसिंगा को वन विभाग के सुपुर्द किया। सुरक्षा अधिकारी अवतार सिंह ने बताया कि बारहसिंगा अचानक दौड़ते हुए सड़क पार कर रहा था, इसी दौरान उसकी टक्कर एक्टिवा सवार दंपति से हो गई।

हादसे में घायल पति-पत्नी को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। अवतार सिंह के अनुसार, इस मार्ग पर जंगली जानवरों का सड़क पर आ जाना आम बात है। फैक्ट्री प्रबंधन की ओर से सड़क के दोनों ओर जालियां भी लगवाई गई हैं, इसके बावजूद जानवर जंगल से निकलकर सड़क तक पहुंच जाते हैं, जिससे हादसों की आशंका बनी रहती है। फैक्ट्री प्रबंधन ने वाहन चालकों से अपील की है कि इस सड़क पर धीमी गति से वाहन चलाएं, ताकि चालक स्वयं सुरक्षित रहें और जंगली जानवरों को भी नुकसान न पहुंचे।

कर्मचारियों को ले जा रही बुलेरो पलटी, 5 घायल-नर्मदापुरम में सोलर प्लांट पर काम करके वापस आ रहे थे

नर्मदापुरम,(निप्र)। नर्मदापुरम जिले में मोहासा औद्योगिक क्षेत्र से सोलर प्लांट के कर्मचारियों को लेकर लौट रही बुलेरो गाड़ी मंगलवार शाम दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसा शाम करीब 6 बजे पिपरियाङ्कनर्मदापुरम स्टेट हाईवे पर निमसाड़िया के पास हुआ, जहां बुलेरो अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गई। गाड़ी में सवार पांच कर्मचारी घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक सभी घायल कर्मचारी मोहासा औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक सोलर प्लांट में कार्यरत हैं। मंगलवार शाम वे बुलेरो गाड़ी से काम खत्म कर नर्मदापुरम लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में गाड़ी का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क से नीचे जा गिरी।

हादसे के बाद मौके पर लगी भीड़ : दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से गाड़ी में फंसे कर्मचारियों को बाहर निकाला गया। इसके बाद सभी घायलों को दूसरे वाहन से नर्मदा अस्पताल पहुंचाया गया।

सिर, हाथ और पैर में आई चोटें : हादसे में घायल कर्मचारियों की पहचान सुमित पिता देवी सिंह (34) निवासी हनुमान नगर रसूलिया, अक्षय राठौर पिता यशवंत सिंह निवासी ऑफिसर कॉलोनी, अनुराग तिवारी निवासी हनुमान नगर और रोहित पिता जमुनादास साहू (35) निवासी ऑफिसर कॉलोनी के रूप में हुई है। घायलों के सिर, हाथ और पैर में चोटें आई हैं। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार सभी घायलों की हालत स्थिर है और चोटें सामान्य हैं। पुलिस का कहना है कि हादसे के कारणों की जानकारी जुटाई जा रही है और मामले की जांच की जा रही है।

मंदसौर में रिटायर्ड शिक्षक का शव, शिवना नदी में मिलासाइटिका ऑपरेशन के बाद तनाव में थे

पुल से कूदकर सुसाइड का संदेह

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर शहर में मंगलवार को रिटायर्ड शिक्षक दिलीप पंवार (64) का शव शिवना नदी में मुक्ति धाम के पास मिला। वे पिछले महीने साइटिका का ऑपरेशन करवा चुके थे और बीमारी के कारण परेशान थे। प्रारंभिक जानकारी में आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार दिलीप पंवार पिता तुलसीराम पंवार दोपहर करीब 3:30 बजे खाना खाकर घर से टहलने के लिए निकले थे। देर शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजन चिंतित हो गए। इसी दौरान शिवना नदी की बड़ी पुलिया पर एक व्यक्ति के नदी में कूदने की सूचना प्रत्यक्षदर्शियों द्वारा पुलिस को दी गई। नई आबादी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। प्रत्यक्षदर्शियों के बताए अनुसार, दिलीप पंवार बड़ी पुलिया पर पहुंचे और वहां से शिवना नदी में छलांग लगा दी। पुलिस ने उन्हें नदी से बाहर निकाला और तत्काल जिला चिकित्सालय पहुंचाया। जिला चिकित्सालय पहुंचने पर डॉक्टरों ने जांच के बाद दिलीप पंवार को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव की पहचान के लिए परिजनों को सूचना दी गई। अस्पताल पहुंचे उनके पुत्र ने पहचान की।

बीमारी से थे काफी परेशान : जानकारी के मुताबिक दिलीप पंवार पेशे से शिक्षक थे और करीब दो वर्ष पूर्व ही सेवानिवृत्त हुए थे। पिछले कुछ समय से वे शारीरिक बीमारी से जूझ रहे थे और हाल ही में उनका साइटिका का ऑपरेशन हुआ था। परिजनों के अनुसार बीमारी के चलते वे मानसिक रूप से भी परेशान चल रहे थे। नई आबादी थाना प्रभारी कुलदीप सिंह राठौर ने बताया कि दिलीप पंवार दोपहर में घर से निकले थे और वापस नहीं लौटे। आमजनों से मिली सूचना के आधार पर उन्हें अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल की मर्च्युरी में रखवाया गया है। पुलिस ने बताया कि बुधवार सुबह पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। फिलहाल आत्महत्या के स्पष्ट कारणों का पता नहीं चल सका है, पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

सागर में बादलों की आवाजाही हल्का कोहरा छाया

रात का तापमान 14 डिग्री पर पहुंचा,

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। वेदर सिस्टम सक्रिय होने से सागर के मौसम में उतार-चढ़ाव का दौर जारी है। आसमान में बादलों की आवाजाही देखने को मिल रही है। पिछले दो दिनों से सागर में बादलों के बीच सूरज की लुकाछिपी का सिलसिला बना हुआ है। जिसका असर से दिन और रात के तापमान पर देखने मिल रहा है। बुधवार सुबह से सागर में हल्का कोहरा छाया रहा। जिले के कुछ हिस्से में बादल छाए हुए हैं तो कुछ इलाकों में हल्की धूप खिली है। हवाएं चलने से वातावरण में ठंड का असर बढ़ा है।इस समय सागर का अधिकतम तापमान 25.4 डिग्री और न्यूनतम पारा 14.4 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है।

मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी हिमाचल क्षेत्र में 5 फरवरी से नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हो रहा है। जिसका असर प्रदेश के मौसम पर देखने को मिलेगा।

टीनशेड में फंदे से झूलता मिला दुकानदार का शव:एक दिन पहले हुआ था विवाद

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के महाराजपुर थाना क्षेत्र में अपनी ही दुकान के टीनशेड में दुकानदार का शव फंदे पर झूलता मिला है। आसपास के लोगों ने शव देखा तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। मामले में परिजन ने गांव के ही कुछ लोगों पर हत्या करने की आशंका जताई है। मृतक के भाई संतोष विश्वकर्मा ने बताया कि सुबह करीब 5 बजे छोटा भाई ब्रजेश पिता मुन्नालाल विश्वकर्मा उम्र 45 साल निवासी महाराजपुर घर से दुकान के लिए निकला था। सुबह से उसने घर में चाय-नाश्ता भी नहीं किया था। कुछ समय बाद पता चला कि ब्रजेश का शव दुकान के टीनशेड में फंदे से लटका है। मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। परिजन ने आरोप लगाते हुए बताया कि मृतक ब्रजेश की दुकान के बाजू में रामबाबू रैकवार अंडे की दुकान लगाता है। कल रामबाबू और ब्रजेश के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। मारपीट में रामबाबू ने मृतक के साथ मारपीट की थी। मारपीट के बाद ब्रजेश ने थाने पहुंचकर शिकायत की। लेकिन सुनवाई नहीं हुई। भाई ने कहा कि शिकायत नहीं लिखी जाने के बाद वह घर आया और सो गया। सुबह सोकर उठा और सीधा दुकान चला गया था। परिजन ने उक्त लोगों पर संदेह जताते हुए हत्या का आरोप लगाया है। महाराजपुर थाना प्रभारी अजय सिंह भदौरिया ने बताया कि फंदे पर लटका हुआ व्यक्ति का शव मिला है। शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम कराया है। मामला दर्ज कर आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है। परिजन के आरोपों पर भी जांच कर रहे हैं।

दमोह में स्कूल ऑटो पलटा, 5 छात्र घायल

दो छात्रों की हालत गंभीर

मीडिया ऑडीटर, दमोह (निप्र)। दमोह जिले के तेंदूखेड़ा थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह ग्राम रामादेही के पास सांदीपनी स्कूल के बच्चों से भरा एक ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में पांच छात्र घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। दो छात्रों की हालत गंभीर होने पर उन्हें जबलपुर रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, ये सभी छात्र तेंदूखेड़ा के शासकीय सांदीपनी स्कूल के थे और रामादेही गांव से स्कूल आ रहे थे। गांव से बाहर निकलते ही ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे उसमें सवार पांच छात्र घायल हो गए।

विद्यार्थियों ने बताया कि वे जिस ऑटो से प्रतिदिन आते थे, उसकी बैटरी खराब थी, इसलिए वे दूसरे ऑटो से आ रहे थे। गांव से लगभग एक किलोमीटर दूर एक अंधा मोड़ पर तेज रफ्तार के कारण ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। घायल छात्रों में रोहित पाल (14), दीक्षा पाल (12), मोनिका पाल (12), दुर्गेश पाल (10) और साक्षी पाल (13) शामिल हैं।

पीछे से आ रहे एक अन्य ऑटो की मदद से घायल बच्चों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा पहुंचाया गया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन भी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। छात्र रोहित पाल (कक्षा नौवीं) और दीक्षा पाल (कक्षा सातवीं) को गंभीर चोटें आने के कारण जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। हादसे के बाद ऑटो चालक वाहन लेकर फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नर्मदापुरम में 2 दिन से तापमान में उतार-चढ़ाव जारी

पचमढ़ी में छाया कोहरा,न्यूनतम तापमान 16.2 डिग्री पर पहुंचा

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में बुधवार को एक बार फिर से ठंड का असर बढ़ा है। सुबह से मौसम साफ रहा, तापमान में एक डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। सुबह हल्की ठंड पड़ी। फरवरी माह की शुरुआत से ही जिले के मौसम बदलाव देखा जा रहा है। जिससे तापमान में उतार चढ़ाव की स्थिति बन रही। पश्चिमी विक्षोभ की वजह से यह बदलाव हो रहा है। बुधवार को न्यूनतम तापमान 16.2 डिग्री दर्ज हुआ। एक दिन मंगलवार को यह तापमान 16.8 डिग्री दर्ज हुआ था। हिल स्टेशन पचमढ़ी में बुधवार को सुबह से कोहरा छाया रहा। जिससे मौसम सुहावना हो गया। पर्यटक और स्थानीय लोगों ने कोहरे के बीच सुबह का आनंद लिया। रिटायर्ड डीएसपी चौधरी मदन समर ने मन को आनंद और सुकून देने वाले दृश्य को कैमरे में कैद किए। पचमढ़ी में 24 घंटे में एक डिग्री और 48 घंटे में 2.8 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार अब बादल हट रहे हैं। धूप तेज होने लगी है। इस कारण तापमान में बदलाव आया है। फरवरी में कड़ाके की ठंड से राहत मिलेगी। गर्मी की दस्तक हो सकती है। कृषि विभाग के अनुसार मौसम फसल के लिए अनुकूल है। आने वाले दिनों में सर्दी बढ़ेगी।

चार दिनों का न्यूनतम तापमान : नर्मदापुरम और पचमढ़ी में बीते चार दिनों के न्यूनतम तापमान में हल्का उतार-चढ़ाव देखने को मिला। 1 फरवरी को नर्मदापुरम में न्यूनतम तापमान 17.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि पचमढ़ी में यह 10.2 डिग्री रहा। 2 फरवरी को नर्मदापुरम का न्यूनतम तापमान 17.4 डिग्री और पचमढ़ी का 8.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। 3 फरवरी को नर्मदापुरम में तापमान घटकर 16.8 डिग्री और पचमढ़ी में बढ़कर 11.2 डिग्री रहा। वहीं 4 फरवरी को नर्मदापुरम का न्यूनतम तापमान 16.2 डिग्री और पचमढ़ी का 10.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

रायसेन में दो घोड़ों ने बाइक सवार को रौंदा

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले के बेगमगंज में मंगलवार रात एक सड़क हादसा हो गया, जिसमें बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा तब हुआ, जब तेज रफ्तार में दौड़ते दो घोड़े बाइक से टकरा गए। यह घटना सुल्तानगंज रोड पर बीडी कॉलोनी के पास हुई। मुबीन खां, जो बिजली घर के पीछे के रहने वाले हैं, अगरबत्तियां सप्लाई कर बाइक से बेगमगंज लौट रहे थे। इसी दौरान ऋतिक शिल्पकार अपने दो घोड़ों को सड़क पर दौड़ाते हुए लेकर आया और उनकी बाइक से सीधी टक्कर हो गई।

हाथ और पैर की हड्डियां टूटी : टक्कर इतनी तेज थी कि मुबीन खां बाइक से गिर पड़े और उन्हें गंभीर चोटें आई।

सात मजदूरों का महाराष्ट्र में बंधक होने का

खालवा थाने पहुंचे सभी के परिजन, बोले- 15 दिन से फोन बंद आ रहा

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। आदिवासी विकासखंड खालवा से मजदूरी करने गए सात युवकों के महाराष्ट्र में बंधक बनाए जाने की आशंका सामने आई है। इस मामले में पीड़ित युवकों के परिजन खालवा थाने पहुंचे और पुलिस से उन्हें मुक्त कराने की गुहार लगाई। देवलीखुर्द निवासी भैयालाल पुत्र मांगीलाल काजले ने बताया कि जनवरी महीने में उनके बेटे राहुल, कोमल सहित गांव के अरुण पिता मोतीराम और विशन पटेल समेत कुल सात युवकों को राजस्थान निवासी आशिक नामक ठेकेदार ने प्रतिदिन 800 रुपए मजदूरी का लालच देकर थ्रेसर पर काम कराने के लिए महाराष्ट्र के सोलापुर ले गया था।

महाराष्ट्र में बंधक होने की आशंका : भैयालाल के अनुसार, कुछ दिनों बाद ठेकेदार का मोबाइल बंद हो गया और युवकों के ोबाइल भी लगातार बंद आने लगे। शनिवार को उनके बेटे ने किसी अन्य व्यक्ति के मोबाइल से फोन कर बताया कि सभी युवकों को सोलापुर में बंधक बनाकर रखा गया है और उनके मोबाइल भी छीन लिए गए हैं। युवक ने पुलिस को सूचना देकर उन्हें छुड़ाने की गुहार लगाई। इधर, घटना की जानकारी मिलते ही परिजन रविवार को खंडवा पहुंचे और मंत्री विजय शाह के बंगले पर गए, जहां मंत्री से मुलाकात नहीं हो सकी। उन्होंने मंत्री के स्टाफ को पूरे मामले से अवगत कराया, जिसके बाद उन्हें खालवा थाने में शिकायत दर्ज कराने के निर्देश दिए गए।

वास्तविक स्थिति का पता लगा रहे हैं : मंगलवार को ग्राम कोटवार आशाराम के साथ परिजन खालवा थाना पहुंचे। पुलिस ने युवकों के फोटो, आधार कार्ड, ठेकेदार का नाम और मोबाइल नंबर उपलब्ध कराने पर आगे की कार्रवाई का आश्वासन दिया है। खालवा थाने के एसआई भुवनसिंह वास्कले ने बताया कि फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि युवक किसके साथ और कहां मजदूरी करने गए हैं। परिजनों से ठेकेदार की पूरी जानकारी और संपर्क नंबर लाने को कहा गया है, जिससे युवकों की तलाश कर वास्तविक स्थिति का पता लगाया जा सके।

शहडोल में कुएं में गिरे पति की मौत:बचाने कूदी पत्नी गंभीर घायल,अस्पताल में भती

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल जिले के सीधी थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति की कुएं में गिरने से मौत हो गई। पति को बचाने के लिए कुएं में कूदी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसका उपचार अस्पताल में जारी है। मृतक गांव का पंच था। यह घटना ग्राम तेन्दुडोल में हुई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, सीधी थाना क्षेत्र के ग्राम तेन्दुडोल निवासी राकेश सिंह (32), जो गांव के पंच भी थे, अपने घर में स्थित कुएं से पानी निकाल रहे थे। इसी दौरान उनका संतुलन बिगड़ा और वे कुएं में गिर गए। घटना के समय उनकी पत्नी सुमिला सिंह कुएं के पास ही मौजूद थीं। पति को कुएं में गिरता देख सुमिला ने उन्हें बचाने के लिए तुरंत कुएं में छलांग लगा दी। कुएं से आवाज सुनकर घर के अन्य सदस्य और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से सुमिला सिंह को किसी तरह कुएं से बाहर निकाल लिया गया और उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। हालांकि, राकेश

सिंह को बाहर निकालने में देर हो गई और जब तक उन्हें बाहर निकाला गया, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। सीधी थाना प्रभारी शिवेंद्र राम भगत ने बताया कि राकेश सिंह की मौत कुएं में डूबने से हुई है। महिला को परिजनों और स्थानीय लोगों की मदद से सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार जारी है।

आखिरी पल में हैवर्ट्ज का गोल, आर्सेनल आठ साल बाद काराबाओ कप फाइनल में पहुंचा

लंदन एजेंसी। लंदन के एमिरेट्स स्टेडियम में खेले गए रोमांचक मुकाबले में आर्सेनल ने चेल्सी को 4-2 से हराकर काराबाओ कप के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। मैच के हीरो काई हैवर्ट्ज बने, जिन्होंने आखिरी पलों में निर्णायक गोल करके टीम को जीत दिलाई। पहले चरण में आर्सेनल ने विक्टर ग्योकेरेस, बेन व्हाइट और मार्टिन जुबीमेंदी के गोल की बदौलत 3-2 की बढ़त बना ली थी। इसी बढ़त के साथ गनर्स ने दूसरे चरण की शुरुआत की और एमिरेट्स स्टेडियम में आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरी। उन्होंने शुरुआती मिनटों में खेल पर पकड़ बनाए रखी और गेंद पर ज्यादा नियंत्रण रखा। चेल्सी ने मजबूत रक्षात्मक रणनीति अपनाते हुए पांच खिलाड़ियों की बैकलाइन बनाई, जिससे मैच के पहले एक घंटे तक दोनों टीमों को ज्यादा साफ मौके नहीं मिले। चेल्सी के कोच लियाम रोसेनियर ने बढ़त बनाने के इरादे से एस्तेवाओ और कोल पामर को मैदान में उतारा, लेकिन आर्सेनल की डिफेंस मजबूत बनी रही।

जैसे-जैसे मैच अपने अंतिम मिनटों की ओर बढ़ा, चेल्सी गोल की तलाश में आगे बढ़ने लगी। इसी दौरान आर्सेनल को जवाबी हमला करने का मौका मिला। चोट से हाल ही में लौटे सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी काई हैवर्ट्ज ने शानदार संयम दिखाते हुए गोलकीपर रॉबर्ट सांचेज को चकमा दिया और गेंद को जाल में डाल दिया। इस गोल के साथ ही आर्सेनल की फाइनल की टिकट पक्की हो गई।

आर्सेनल आठ साल बाद काराबाओ कप के फाइनल में पहुंचा है। अब उसका सामना मैनचेस्टर सिटी या न्यूकैसल यूनाइटेड से होगा, जिनके बीच सेमीफाइनल का दूसरा चरण बुधवार शाम खेला जाएगा।

कप की इस बड़ी जीत के बाद आर्सेनल अब प्रीमियर लीग में वापसी करेगा। वे अपने घरेलू मैदान एन5 में सदरलैंड से भिड़ेंगे। इसके बाद 12 फरवरी को टीम वेस्ट लंदन में ब्रेंटफोर्ड के खिलाफ जीटेक कम्युनिटी स्टेडियम में मुकाबला खेलेगी।

नॉर्वे चेस 2026 में खेलेंगे मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन गुकेश

स्टावेंजर एजेंसी। मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन गुकेश डोमाराजू नॉर्वे चेस 2026 में हिस्सा लेकर दुनिया के सबसे मजबूत शतरंज टूर्नामेंट्स में से एक में प्रतिस्पर्धा करते नजर आएंगे। भारतीय स्टार ओस्लो में शतरंज के इतिहास के सबसे युवा निर्विवाद विश्व चैंपियन के रूप में उतरेंगे। गुकेश ने साल 2024 में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता था, जिसके बाद तत्कालीन वर्ल्ड चैंपियन डिंग लिरेन को हराकर महज 18 साल की उम्र में विश्व खिताब अपने नाम किया। गुकेश ने कहा, ÷नॉर्वे चेस में एक बार फिर हिस्सा लेकर मुझे बेहद खुशी हो रही है। हमेशा की तरह यहां मजबूत खिलाड़ियों का शानदार मैदान होता है और मैं सभी रोमांचक मुकाबलों का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

गुकेश की तेजी से आगे बढ़ने में कई ऐतिहासिक उपलब्धियां शामिल हैं। इन उपलब्धियों में 2,750 रेटिंग का आंकड़ा पार करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनना और 12 साल की उम्र में ग्रैंडमास्टर का टाइटल जीतना शामिल है। यह चेस के इतिहास में तीसरा सबसे कम उम्र का टाइटल है। इंटरनेशनल लेवल पर भारत की हालिया सफलता में भी उनका अहम रोल रहा है। इसके बाद 2024 में उन्होंने बोर्ड वन पर टीम गोल्ड और इंडिविजुअल गोल्ड दोनों जीते।

नॉर्वे चेस में गुकेश डी के करियर के अहम पल पहले ही आ चुके हैं। साल 2025 एडिशन में, वह तीसरे नंबर पर रहे और एक रोमांचक गेम में मैग्नस कार्लसन पर अपनी पहली क्लासिकल जीत हासिल की, जिससे टेबल-स्लैम मोमेंट शुरू हुआ और यह जल्द ही टूर्नामेंट के सबसे चर्चित मुकाबलों में से एक बन गया।

भारत के लिए मैच जीतने की कोशिश हमेशा जारी रहेगी, पद्म श्री से सम्मानित होने पर रोहित ने जताया आभार

नई दिल्ली एजेंसी। पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने पद्म श्री से सम्मानित होने पर आभार जताते हुए इसे अपने और परिवार के लिए एक खास पल बताया है। रोहित का कहना है कि वह भारत के लिए मैच जीतना जारी रखेंगे। पद्म श्री से सम्मानित होने को रोहित शर्मा ने खास पल बताते हुए उन सभी लोगों को धन्यवाद दिया है, जिन्होंने क्रिकेट करियर में उनका साथ दिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दूरदर्शन स्पोर्ट्स की ओर से शेयर किए गए वीडियो में रोहित ने कहा, ÷पद्म श्री मिलना मेरे और मेरे परिवार के लिए बहुत खास पल है। मैं इस सम्मान के लिए भारत सरकार का धन्यवाद करता हूं। मैं उन सभी लोगों का भी आभारी हूं, जिन्होंने मेरे करियर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अपने देश के लिए मैच और ट्रॉफियां जीतने की मेरी कोशिश हमेशा जारी रहेगी।

रोहित शर्मा ने साल 2007 में इंटरनेशनल डेब्यू किया था। पिछले 19 वर्षों में वह तीनों फॉर्मेट में भारत के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक रहे। उन्होंने बतौर बल्लेबाज और कप्तान, भारतीय क्रिकेट में एक महत्वपूर्ण छाप छोड़ी है। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 की ट्रॉफी जीतकर सबसे छोटे फॉर्मेट में आईसीसी खिताब का लंबा इंतजार खत्म किया। अगले ही साल भारत को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब भी जिताया। रोहित शर्मा ने अपने टेस्ट करियर में 67 मैच खेले, जिसकी 116 पारियों में 40.57 की औसत के साथ 4,301 रन बनाए। इस दौरान 12 शतक और 18 अर्धशतक लगाए। इसके अलावा, उन्होंने 282 वनडे मुकाबलों में 48.84 की औसत से 11,577 रन बनाए। इस दौरान 33 शतक और 61 अर्धशतक लगाए।

रोहित शर्मा भारत की तरफ से 159 टी20 मैच खेल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 5 शतक और 32 अर्धशतकों के साथ 4,321 रन जुटाए, जिससे वह इस फॉर्मेट के सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक बन गए हैं। भले ही रोहित शर्मा टेस्ट और टी20 फॉर्मेट से रिटायरमेंट ले चुके हैं, लेकिन वह अभी भी वनडे में टीम के लिए शानदार रन बना रहे हैं। फैंस चाहते हैं कि रोहित वनडे वर्ल्ड कप 2027 खेलें।

बास्केटबॉल के महाकुंभ का आगाज: उदयपुर में 127 विश्वविद्यालयों के 1500 खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम, मेजबान BN विवि की शानदार जीत

उदयपुर एजेंसी। विद्या प्रचारिणी सभा भूपाल नोबल्स (BN) विश्वविद्यालय की मेजबानी में मंगलवार को वेस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी बास्केटबॉल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। महाराणा प्रताप खेल मैदान पर आयोजित इस चार दिवसीय प्रतियोगिता में राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और गोवा के 127 विश्वविद्यालयों के 1500 से अधिक खिलाड़ी और कोच हिस्सा ले रहे हैं। शानदार मार्च पास्ट और उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि आईजी गौरव श्रीवास्तव, कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत और अन्य अतिथियों ने झंडारोहण कर प्रतियोगिता की शुरुआत की। पांच राज्यों से आए खिलाड़ियों के मार्च पास्ट ने खेल प्रेमियों का मन मोह लिया। इस अवसर पर अतिथियों ने प्रतियोगिता की ट्रॉफी और स्मारिका (सोविनियर) का लोकार्पण भी किया।

आईजी का युवाओं को संदेश: सोशल मीडिया नहीं, मानवीय नेटवर्क बढ़ाएंमुख्य अतिथि आईजी गौरव श्रीवास्तव ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि आगामी 30 वर्षों तक भारत युवाओं का देश रहेगा और देश की प्रगति उन्हीं के हाथों में है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा

आज का युवा सोशल मीडिया की वर्चुअल दुनिया में समय बर्बाद कर रहा है। खेल हमें टीम वर्क और अनुशासन सिखाते हैं। सफल होना है तो सोशल मीडिया की बजाय मानवीय नेटवर्क और नियमों की पालना पर ध्यान दें।

संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने कहा कि हार-जीत से बढ़कर खेल भावना महत्वपूर्ण है, जो जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।

खेल प्रतिभाओं का सम्मान: समारोह में खेल जगत में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए राव हिम्मत सिंह नेनबारा, मूल सिंह झीलवाडा, सूर्यवीर सिंह बोहेडा और करण सिंह उमरी को पगड़ी, शॉल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

पहले दिन के मुकाबले मेजबान क्ह विवि की बड़ी जीत: स्पोर्ट्स बोर्ड के चेयरमैन डॉ. अभिमन्यु सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता के पहले ही मैच में मेजबान बीएन विश्वविद्यालय ने दबदबा बनाते हुए गुरु गोविंद जनजाति विवि बांसवाड़ा को 34 पॉइंट के विशाल अंतर से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

अन्य प्रमुख परिणाम : भावनगर विवि ने चारूसत विवि गुजरात को 33 पॉइंट से हराया।

हेमचंद्राचार्य नॉर्थ गुजरात विवि ने मेडिकप्स विवि इंदौर को 35 पॉइंट से शिकस्त दी।

क्ष्ठ्ठञ्ज्ञ पिलानी ने रानी दुर्गावती विवि जबलपुर को 10 पॉइंट से हराया।

शिवाजी विवि कोल्हापुर ने SPSU उदयपुर को रोमांचक मुकाबले में 03 पॉइंट से हराया।यह प्रतियोगिता स्वर्ण, रजत और कांस्य पदकों के लिए हो रही है। यहाँ क्वालीफाई करने वाली टीमें आगामी ऑल इंडिया बास्केटबॉल प्रतियोगिता में अपनी जगह बनाएंगी। आयोजन सचिव डॉ. हितेश चंद्र रावल ने बताया कि आगामी तीन दिनों तक शहरवासियों को और भी

पूर्व पाक कप्तान राशिद लतीफ को अब भी भारत-पाक मैच होने की उम्मीद

लाहौर एजेंसी। पाकिस्तान ने जबसे टी20 विश्व कप 2026 में भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने की बात कही है। जिसके बाद से ही इस मामले को लेकर क्रिकेट जगत में घमासान मचा है। ये अटकलें लगायी जा रही हैं कि इस मामले में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) किस प्रकार के कदम उठाता है। वहीं इस सब के बीच ही पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ ने दावा किया है कि उन्हें अब भी कोलंबो में भारत पाकिस्तान मैच के होने की उम्मीदें हैं। लतीफ ने कहा, मेरा मानना है कि यह फैसला सिर्फ क्रिकेट तक ही सीमित नहीं है। इसका असर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आईसीसी के काम करने के तरीके पर भी पड़ेगा। यह कोई रूटीन फैसला नहीं है। इसमें बातचीत के बाद बदलाव हो सकते हैं। एक फैसले में ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का माहौल बदलने की क्षमताएं हैं। भारत-पाकिस्तान मुकाबला किसी भी आईसीसी टूर्नामेंट का सबसे रोमांचक मैच माना जाता है, जिसे देखने वालों की संख्या अन्य मैचों से कहीं अधिक होती है। विश्व स्तर पर सबसे अधिक प्रायोजकों की रुचि और प्रसारण राजस्व भी इसी मैच से आता है। लतीफ का मानना है कि अभी जो भी कहा जा रहा है वह अलग बात है पर 15 फरवरी को दोनो के बीच मैच होने की संभावनाएं बनी हुई हैं। साथ ही कहा कि क्रिकेट से कारोबार भी जुड़ा है। इसके फैसले राजनीतिक स्तर पर लिए जाते हैं जिनका पालन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीस) करती है। है। पीसीबी प्रमुख्य मोहसिन नकवी भी सरकार में मंत्री है। ऐसे में अंत में कोई फैसला हो सकता है।लतीफ के अनुसार हर बार पाक बोर्ड झुका है पर मेरी राय है कि इसबार उसे पीछे नहीं हटना चाहिये। इससे पहले पाक सरकार ने कहा कि टीम टूर्नामेंट में भाग लेगी पर 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले मैच के लिए मैदान पर नहीं उतरेगी।

भारत, इंग्लैंड, सहित ये चार टीमें टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में पहुंचेंगी : वॉन

लंदन एजेंसी। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में संयुक्त रुप से शुरु हो रहे टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चार संभावित टीमों के नाम बताये हैं। वॉन के अनुसार भारत, इंग्लैंड, न्यूज़ीलैंड और ऑस्ट्रेलियाई टीमें अंतिम चार में पहुंच सकती हैं। वॉन की इस सूची में पिछले साल की उपविजेता दक्षिा अफीका का नाम नहीं है। वॉन के अनुसार इस बार दक्षिण अफीकी टीम की संभावनएं काफी कम हैं। वॉन ने सोशल मीडिया पर लिखा, मेरे अनुसार भारत, इंग्लैंड, न्यूज़ीलैंड और ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल के प्रबल दावेदार हैं। इस बार टी20 विश्वकप का प्रारुप 2024 संस्करण जैसा ही रहेगा। इस टूर्नामेंट में दुनिया की शीर्ष–10 20 रैंकिंग वाली टीमों में से 9 टीमें हिस्सा लेंगी। वॉन ने लिखा, टी20 विश्व कप 2026 में मेरे अनुसार मेजबान भारत के अलावा इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल में पहुंचेंगे। इस बार कुल 20 टीमें खिताब के लिए उतरेंगी आएंगी। शीर्ष 10 रैंक वाली टीमों में से नौ टीमें खेलेंगी। इस बार बांग्लादेश ने इन टूर्नामेंट का बहिष्कार किया है। ऐसे में उसकी जगह पर स्कॉटलैंड की टीम उतरेगी। ग्रुप चरण में पांच–पांच टीमों के चार ग्रुप होंगे। हर ग्रुप से टॉप दो टीमें सुपर 8 चरण में जाएंगी। भारत ग्रुप ए में पाकिस्तान, नीदरलैंड्स, नामीबिया और अमेरिका के साथ है। इसमें भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत सात फरवरी को अमेरिका के खिलाफ कारेग, उसके बाद 12 फरवरी को नामीबिया और 18 फरवरी को नीदरलैंड्स से खेलेगी। वहीं पाकिस्तान की टीम 15 फरवरी को कोलंबो में भारत के खिलाफ होने वाले मैच से बाहर रहेगी। ऐसे में इस मैच में भारतीय टीम को बिना खेले ही वॉकओवर की स्थिति में भारत को पूरे अंक मिलेंगे। इंग्लैंड को ग्रुप सी में रखा गया है। इंग्लैंड की आठ फरवरी को नेपाल, 11 फरवरी को वेस्टइंडीज , 14 फरवरी को स्कॉटलैंड और 16 फरवरी को इटली से खेलना है। ऑस्ट्रेलिया ग्रुप बी में है, जहां उसका सामना आयरलैंड से 11 फरवरी, जिम्बाब्वे से 13 फरवरी, श्रीलंका से 16 फरवरी और ओमान से 20 फरवरी को होगा।

गुजरात जायंट्स को 7 विकेट से रौंदकर लगातार चौथी बार फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स

वडोदरा एजेंसी। दिल्ली कैपिटल्स ने मंगलवार को बीसीए स्टेडियम में खेले गए विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के एलिमिनेटर मैच में गुजरात जायंट्स के खिलाफ 7 विकेट से जीत दर्ज की। इसी के साथ कैपिटल्स ने लगातार चौथी बार खिताबी मुकाबले में जगह बना ली है, जहां 5 फरवरी को उसका सामना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। डब्ल्यूपीएल 2023 के फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स को मुंबई इंडियंस के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। अगले साल इस टीम ने फिर से फाइनल में जगह बनाई, लेकिन इस बार आरसीबी ने बाजी मार ली। साल 2025 में दिल्ली कैपिटल्स को मुंबई इंडियंस के हाथों एक बार फिर खिताबी मैच गंवाना पड़ा था। वडोदरा में खेले गए एलिमिनेटर मैच में टॉस गंवाकर बल्लबाजी के लिए उतरी गुजरात जायंट्स ने निर्धारित ओवरों में 7 विकेट खोकर 168 रन बनाए। इस टीम ने 59 के स्कोर तक अपने 4 विकेट गंवा दिए थे, जहां से सलामी बल्लेबाज बेथ मूनी ने जॉर्जिया वेयरहैम के साथ पांचवें विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला।

वेयरहैम 25 गेंदों में 35 रन बनाकर पवेलियन लौटीं, जिसके बाद मूनी ने मोर्चा संभाले रखा। उन्होंने 51 गेंदों में 6 चौकों के साथ 62 रन की नाबाद पारी खेली। इनके अलावा, काशवी गौतम ने 10 गेंदों में 3 चौकों के साथ 18 रन जुटाए। दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से चिनले हैनरी ने 35 रन देकर 3 विकेट निकाले, जबकि नंदिनी शर्मा ने 2 विकेट हासिल किए। इनके अलावा, एक विकेट मिन्नु मणि के हाथ लगा। इसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स ने 15.4 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। इस टीम को लिजेल ली और शेफाली वर्मा ने शानदार शुरुआत दिलाई। सलामी जोड़ी ने 7.1 ओवरों में 89 रन जोड़े। लिजेल ली 24 गेंदों में 1 छक्के और 8 चौकों की मदद से 43 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि शेफाली ने 21 गेंदों में 7 चौकों के साथ 31 रन जुटाए। कैपिटल्स 92 के स्कोर तक दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा चुकी थी। यहां से कप्तान जेमिमा रोड्रिगेज ने लौरा वोल्वार्ड्ट के साथ तीसरे विकेट के लिए 41 गेंदों में 68 रन जुटाते हुए टीम को जीत की दहलीज पर पहुंचा दिया। जेमिमा ने 23 गेंदों में 1 छक्के और 4 चौकों के साथ 41 रन बनाए, जबकि लौरा ने 24 गेंदों में 3 बाउंड्री के साथ नाबाद 32 रन बनाए। विपक्षी खेमे से जॉर्जिया ने सर्वाधिक 2 विकेट हासिल किए। राजेश्वरी गायकवाड़ के हाथ 1 विकेट लगा।

टी20 विश्वकप में अश्विन का रिकार्ड तोड़ सकते हैं बुमराह और अर्शदीप

मुम्बई एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम ने पिछले कुछ समय में जिस प्रकार का प्रदर्शन किया है। उसको देखते हुए टीम को इस बार टूर्नामेंट में जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। भारतीय टीम के तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह पर भी इस टूर्नामेंट में सबकी नजरें रहेंगी। ये दोनो ही इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक विकेट लेने के नये रिकार्ड बना सकते हैं। बूमराह और अर्शदीप का प्रदर्शन पहले भी अच्छा रहा है और इस बार भी ये दोनो नये रिकार्ड बना सकते हैं। इन दोनों के पास इस बार दिग्गज स्पिनर आर अश्विन के सबसे अधिक 32 विकेट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने का अवसर है। जसप्रीत बुमराह बुमराह ने अब तक 5 टी 20 विश्व कप खेले हैं और वह टी20 इतिहास में भारत के तीसरे सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ हैं। बुमराह ने 2016 से 2024 तक टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व किया और 18 मैचों में 5.44 की शानदार इकॉनमी से 26 विकेट लिए हैं। अर्शदीप सिंह अर्शदीप ने अब तक टी20 विश्वकप के दो संस्कारणों में 27 विकेट लिए हैं। अर्शदीप सबसे अधिक विकेट लेने वालों की सूची में कुल मिलाकर 22वें स्थान पर हैं, जहां उनके साथ न्यूज़ीलैंड के ईश सोढ़ी और वेस्टइंडीज़ के ड्वेन ब्रावो भी शामिल हैं। हाल में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में भी उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था। आर अश्विन पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय और स्पिन गेंदबाज़ी के दिग्गज रविचंद्रन अश्विन के नाम आईसीसी टीम विश्वकप इतिहास में सबसे ज़्यादा विकेट लेने भारतीय गेंदबाज हैं। साल 2012 से 2022 तक टूर्नामेंट खेलने वाले अश्विन ने 24 मैचों में 6.49 की इकॉनमी से 32 विकेट लिए हैं। ओवरऑल रैंकिंग में वह मिचेल स्टार्क के साथ संयुक्त रूप से 13वें स्थान पर हैं।

266 रुपए की खाद 500 में बेची जा रही, प्रशासन की भूमिका पर उठे सवाल

सतना के कोठी में यूरिया खाद की कालाबाजारी का वीडियो वायरल, किसानों में भारी आक्रोश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिले के कोठी कस्बे में यूरिया खाद की कालाबाजारी का मामला सामने आया है, जिसने किसानों और स्थानीय लोगों में गहरा आक्रोश पैदा कर दिया है। बुधवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में दिखाया गया कि निर्धारित मूल्य 266 रुपए प्रति बोरी की यूरिया खाद को खुलेआम 500 रुपए में बेचा जा रहा है। वीडियो में दुकान संचालक खुद उच्च मूल्य पर बेचने की बात स्वीकार करते नजर आ रहे हैं। यह मामला कोठी में संचालित जय मां काली ट्रेडर्स से जुड़ा बताया जा रहा है।

किसानों का आरोप है कि खाद वितरण के लिए बनाए गए स्लॉट सिस्टम का पालन नहीं किया जा रहा। इसकी वजह से जरूरतमंद किसानों तक समय पर खाद नहीं पहुंच रही, जबकि दुकानों पर कालाबाजारी जारी है। स्थानीय किसानों का कहना है कि गेहूं और अन्य फसलों के लिए वर्तमान में खाद की भारी जरूरत है, और पहले से ही खाद की कमी और वितरण व्यवस्था में अव्यवस्था है। मजबूरी में उन्हें अधिक दाम देकर खाद खरीदनी पड़ रही है। किसानों ने बताया कि फसल बचाने के लिए यह दोगुना भुगतान करना उनके लिए अत्यंत कठिन है। उन्होंने प्रशासन से तत्काल जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। कई किसानों ने चेतावनी दी है कि अगर इस मामले में गंभीर कदम नहीं उठाए गए तो बड़े पैमाने पर आंदोलन की संभावना है। स्थानीय लोगों और कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि यदि वीडियो में किए गए दावे सही पाए जाते हैं, तो यह सिर्फ कालाबाजारी का मामला नहीं है, बल्कि सरकारी आपूर्ति व्यवस्था में गंभीर लापरवाही का उदाहरण भी है। खाद और बीज जैसी कृषि सामग्री की समय पर और उचित वितरण किसानों के लिए जीवन-दायिनी है। ऐसे मामलों से न केवल किसानों की फसल खतरे में पड़ सकती है, बल्कि पूरे क्षेत्र की कृषि उत्पादन प्रणाली प्रभावित हो सकती है। अब तक संबंधित विभाग की ओर से इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। प्रशासन की नीतियों और निगरानी की घोर कमी की वजह से किसानों में असंतोष बढ़ रहा है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई न होने की स्थिति में किसान आंदोलन करने को मजबूर होंगे। यह मामला सतना जिले में खाद वितरण प्रणाली की वास्तविक स्थिति और अधिकारियों की जवाबदेही पर भी सवाल खड़ा करता है। किसानों और स्थानीय समाज की निगाहें अब प्रशासन की त्वरित कार्रवाई और दोषियों की पहचान पर टिकी हुई हैं।

किसानों को प्राकृतिक खेती की ओर मोड़ने की रणनीति, बाजार और वर्कशॉप की तैयारी

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। कलेक्टर रानी बाटड ने जिले में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और किसानों को इसके लाभों से अवगत कराने के लिए कृषि, उद्यानिकी, पशुधन विभाग और एफपीओ की संयुक्त बैठक आयोजित की। कलेक्टर ने कहा कि प्राकृतिक खेती की उपज का विक्रय सुगम बनाने के लिए मैहर मंडी में प्रति बुधवार बाजार और पुष्प खेती के लिए मंदिर प्रांगण में पुष्प बाजार की व्यवस्था की गई है। बैठक में कलेक्टर ने एफपीओ द्वारा की जा रही किसान हितैषी गतिविधियों की समीक्षा की और कहा कि एफपीओ अपने क्षेत्र की गौशालाओं से संपर्क कर जैविक खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करें, ताकि किसान रासायनिक खाद पर निर्भर न रहें। उन्होंने उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों को अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के किसानों को ड्रिप इरीगेशन और स्प्रिंकलर सेट योजना से जोड़ने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने मैहर और अमरपाटन में किसानों के लिए एक दिवसीय वर्कशॉप आयोजित करने और जिले के किसानों को पुष्प खेती और औषधीय खेती की ओर आकर्षित करने की बात कही। कृषि विभाग ने जानकारी दी कि जिले में 5 एफपीओ कार्यरत हैं और 5 क्लस्टरों में 125-125 किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ा जा रहा है। 11 जनवरी से किसान रथ के माध्यम से गांव-गांव प्राकृतिक खेती का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। उप संचालक उद्यानिकी ने बताया कि प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना में मिनी माइक्रो स्प्रिंकलर और ड्रिप इरीगेशन के लक्ष्य आंशिक रूप से ही पूरे हुए हैं। कलेक्टर ने कहा कि छोटे किसानों को इन योजनाओं से जोड़कर लक्ष्य पूर्ति सुनिश्चित की जाए और प्राकृतिक खेती को व्यापक स्तर पर अपनाया जाए।

खुद के खर्च से बनी सड़क, बदली पटना-कौड़िहाई गांवों की तकदीर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। देश जहां चंद्रयान, गगनयान और विश्वस्तरीय एक्सप्रेसवे की उपलब्धियों पर गर्व कर रहा है वहीं सतना जिले से सटे पटना और कौड़िहाई गांव आजादी के 79 वर्ष बाद भी सड़क जैसी बुनियादी सुविधा से वंचित थे। बरसात के मौसम में हालात और बदतर हो जाते थे-कीचड़, पानी और जोखिम के बीच ग्रामीणों का जीवन ठहर सा जाता था। सोमवार को इन गांवों के लिए ऐतिहासिक दिन तब आया, जब पहली बार करीब दो किलोमीटर लंबी, वाहन चलाने योग्य सड़क बनकर तैयार हुई। खास बात यह रही कि यह सड़क न किसी सरकारी योजना से बनी, न किसी टेंडर या बजट से। इसका निर्माण समाजसेवी व उद्योगपति गुलाब शुक्ला ने अपनी निजी कमाई से कराकर सामाजिक दायित्व की मिसाल पेश की। ग्रामीणों ने बताया कि पहले बरसात में खेतों तक पहुंचना जान जोखिम में डालने जैसा था। बीमारों को कंधों पर उठाकर ले जाना पड़ता था और वाहन गांव से पहले ही रुक जाते थे। वर्षों तक आवेदन और गुहार के बावजूद सड़क कागजों से बाहर नहीं आई। जब व्यवस्था मौन रही, तब गुलाब शुक्ला ने जिम्मेदारी उठाई। शुरुआत में अविश्वास और विरोध भी हुआ, लेकिन उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति और ग्रामीणों के सहयोग से यह सपना साकार हुआ।

पटना गांव के देवी मंदिर परिसर में सड़क का लोकार्पण किया गया, जहां बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और पत्रकार मौजूद रहे। आज यह सड़क केवल रास्ता नहीं, बल्कि उम्मीद, सम्मान और आत्मनिर्भरता की पहचान बन चुकी है-और यह साबित करती है कि सच्चा विकास वही है, जो अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

विद्यार्थियों में आत्महत्या प्रवृत्ति रोकने हेतु कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति बैठक

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। विद्यार्थियों में बढ़ती आत्महत्या प्रवृत्ति को रोकने के लिए सतना जिले में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष, मैहर में डिस्ट्रिक्ट टास्क फोर्स (टीडीएफ) समिति की उच्च स्तरीय बैठक कलेक्टर रानी बाटड की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और तनाव मुक्त वातावरण सुनिश्चित करने के लिए कई ठोस और व्यावहारिक निर्णय लिए गए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी सरकारी और गैर-सरकारी शैक्षणिक संस्थानों में प्रति 500 विद्यार्थियों पर कम से कम एक या दो पेशेवर काउंसलर नियुक्त किए जाएं। जहां स्थायी काउंसलर उपलब्ध न हों, वहां वरिष्ठ प्रोफेसरों को जिम्मेदारी दी जाएगी, जो जिला स्तर पर मेडिकल कॉलेज, स्वास्थ्य और महिला व बाल विकास विभाग के विशेषज्ञों से सहायता लेंगे। प्रत्येक संस्थान में हेल्थ क्लब का गठन और एंटी-सुसाइडल टूल्स की व्यवस्था अनिवार्य होगी। कलेक्टर ने परीक्षा परिणाम के दौरान छात्रों में अवसाद को देखते हुए ऑनलाइन और ऑफलाइन मोटिवेशनल सत्र, टेली-मानस, उमंग और कैंपस हेल्पलाइन नंबर के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए। प्रवेश प्रक्रिया में प्रारंभिक काउंसलिंग और नियमित पैरेंट-टीचर मीटिंग को अनिवार्य करने पर भी जोर दिया गया। प्राइवेट कोचिंग सेंटरों का पंजीकरण और शिकायत निवारण प्रणाली भी लागू की जाएगी

सतना के शिवराजपुर में दहलान धाम में हनुमंत कथा और धार्मिक अनुष्ठान का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के शिवराजपुर गांव स्थित दहलान धाम में बुधवार से धार्मिक अनुष्ठान और हनुमंत कथा का भव्य आयोजन शुरू हुआ। बागेश्वर पीठाधीश्वर पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने कथा के दौरान राष्ट्र और धर्म को इंसान की दो आंखों के समान बताया। उन्होंने कहा कि एक आंख के बिना व्यक्ति काना कहलाता है उसी प्रकार राष्ट्र और धर्म भी एक-दूसरे के बिना अधूरे हैं। पंडित शास्त्री ने हिन्दुत्व और धर्मनिरपेक्षता पर भी टिप्पणी की। उनका कहना था कि हिंदुत्व को सबसे बड़ा खतरा उन हिंदुओं से है, जो धर्मनिरपेक्षता का चोला ओढ़कर घूम रहे हैं। उन्होंने राष्ट्र की मजबूती के लिए धर्म की अनिवार्यता पर जोर देते हुए कहा कि जिस प्रकार तन ढंकने के लिए वस्त्र आवश्यक हैं, उसी प्रकार राष्ट्र के लिए धर्म आवश्यक है। हनुमंत कथा के लिए पन्ना-सतना जिले की सीमा पर स्थित शिवराजपुर गांव में भव्य स्वागत किया गया। पंडित शास्त्री ने गांव की सुंदरता और वहां की मंगलमय स्थिति की प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि 5 फरवरी को कथा स्थल पर एक घंटे का दिव्य दरबार आयोजित किया जाएगा और 6 फरवरी को हनुमंत कथा का समापन होगा। मुंबई के उद्योगपति रुद्र प्रताप त्रिपाठी द्वारा आयोजित यह धार्मिक अनुष्ठान 15 फरवरी तक चलेगा। इसके बाद 7 से 15 फरवरी तक श्रीमद भागवत महापुराण का आयोजन होगा जिसमें प्रयागराज धाम वाशिम, महाराष्ट्र के पुजारी निर्मल कुमार शुक्ला कथा व्यास के रूप में उपस्थित रहेंगे। अनुष्ठान में रुद्र महायज्ञ का भी आयोजन होगा, जिसमें 18 पुराणों 6 शास्त्रों और महामृत्युंजय जाप के साथ महा रुद्राभिषेक अनुष्ठान शामिल है। यह भव्य धार्मिक आयोजन 16 फरवरी को भंडारे और समापन समारोह के साथ संपन्न होगा। इस आयोजन ने श्रद्धालुओं और गांववासियों में धार्मिक उत्साह और आस्था का संचार कर दिया है और क्षेत्र में आध्यात्मिक माहौल को और प्रगाढ़ कर दिया है।

मैहर में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन और समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष, मैहर में समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में कलेक्टर रानी बाटड ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन की कोई शिकायत नाट-अटेण्ड नहीं रहनी चाहिए और शिकायतों को निम्न गुणवत्ता के साथ बंद नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने सभी विभाग प्रमुख अधिकारियों को अगले दो-तीन दिनों में ग्रेडिंग सुधारने के निर्देश दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत औलेन्द्र सिंह एसडीएम दिव्या पटेल, एसपी मिश्रा, डॉ. आरती सिंह, डिप्टी कलेक्टर आषिमा पटेल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज भौक्ला जिला शिक्षा अधिकारी गिरीष अग्निहोत्री, डीपीसी विश्णु त्रिपाठी, डीपीओ राजेन्द्र बांगरे, उप संचालक सामाजिक न्याय राजीव सिंह, जिला संयोजक अरुण भौक्ला, उप संचालक उद्यानिकी अनिल सिंह, सीएमओ मैहर सुशमा मिश्रा सहित विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने कहा कि जल संसाधन, वन, नगरीय निकाय, विवाह पंजीयन और उद्यानिकी विभागों की शिकायतों में कई नाट-अटेण्ड प्रकरण पाए गए, जिनसे नाराजगी व्यक्त की गई। साथ ही धरती आबा उत्कर्ष अभियान में आयुष्मान कार्ड बनाने की गलत जानकारी प्रस्तुत करने पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी पर आपत्ति जताते हुए सुधार के निर्देश दिए। आयुष्मान के जिला प्रभारी अभिषेक सिंह को भ्रामक जानकारी देने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने का आदेश दिया गया। कलेक्टर ने रोजगार योजनाओं और पीएम स्वनिधि की समीक्षा करते हुए कहा कि हितग्राहियों तक वितरण सुनिश्चित किया जाए। नगर पालिका मैहर में पीएम स्वनिधि लक्ष्य 45% पूरा होने पर बैंकों के साथ संपर्क बढ़ाने के निर्देश दिए। इसके अलावा, कलेक्टर ने आवास और खाद्यान्न वितरण, जलापूर्ति प्रणाली की समयबद्ध व्यवस्था, विभागीय समितियों के गठन और नियमित बैठकों की जिम्मेदारी अधिकारियों पर डाली। कलेक्टर ने बैठक में सीएम मानिट, सीएस मानिट, आयोग के पत्र, जनसुनवाई आवेदन सहित सभी समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा कर आवश्यक सुधार और जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मझगवां व बरौंधा की शासकीय भूमियों के अतिक्रमण पर हाईकोर्ट ने कलेक्टर को 4 सप्ताह में कार्रवाई के निर्देश दिए

मीडिया ऑडीटर, सतना(निप्र)। चित्रकूट विधानसभा के युवा समाजसेवी आशुतोष द्विवेदी ने मझगवां और बरौंधा की शासकीय भूमियों को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए जनहित याचिका उच्च न्यायालय में दायर की। इस याचिका की पैरवी अधिवक्ता सुश्री कविता गुप्ता द्वारा की गई, जिसका डब्ल्यू पी नंबर 45880-2025 है। हाईकोर्ट ने सतना जिला कलेक्टर को निर्देशित किया है कि मझगवां तहसील की मझगवां नगर में रोड के दोनों तरफ की 50-50 फीट भूमि तथा बरौंधा बस स्टैंड की आराजी नं. 257, 258, 266 और 472 का सीमांकन कर अतिक्रमणकारियों की सूची 27 फरवरी तक न्यायालय में प्रस्तुत करें। याचिकाकर्ता द्विवेदी ने बताया कि क्षेत्रीय और जिला प्रशासन को कई बार ज्ञापन देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिस कारण जनहित याचिका दायर करनी पड़ी। आशुतोष ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन अब भी कार्रवाई में लापरवाही करता है तो वे जिला प्रशासन के खिलाफ अवमानना का कदम उठाने को तैयार हैं। समाजसेवी और न्यायालय के निर्देश के बाद उम्मीद है कि उक्त शासकीय भूमियों पर लगने वाले अतिक्रमण पर शीघ्र नियंत्रण मिलेगा और कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से सरकारी संपत्ति सुरक्षित होगी।

सतनाः हार्डवेयर पेंट्स एसोसिएशन ने दयालदास को दी श्रद्धांजलि

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। हार्डवेयर पेंट्स एसोसिएशन के सदस्य रवि खूबचंदानी जी के पूज्य पिता दयालदास खूबचंदानी जी के आकस्मिक स्वर्गवास की खबर से एसोसिएशन में शोक की लहर दौड़ गई। कार्यालय में आयोजित शोकसभा में एसोसिएशन के सदस्य घनश्यामदास अच्छडा, सुरेश बड़ेरिया, राकेश गुप्ता, विनोद गेलानी, सनी सीरवानी सहित अन्य उपस्थित रहे। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। एसोसिएशन परिवार ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें और परिवार को दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।और शोकाकुल परिवार को समर्थन एवं सांत्वना प्रदान की।

सतना : आईएसबीटी संचालन को लेकर कलेक्टर ने ली अधिकारियों की बैठक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शहर की यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने और नवनिर्मित इंटरस्टेट बस टर्मिनल (आईएसबीटी) के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए बुधवार को कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने अधिकारियों की विशेष बैठक ली। कलेक्टर ने बस संचालन और सुगम यातायात के लिए आवश्यक सुझाव दिए। बैठक में आईएसबीटी से संचालित बसों के रूट निर्धारण पर विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बस रूट इस प्रकार तय किए जाएं कि यात्रियों को अधिक सुविधा मिल सके और शहर के भीतर यातायात का दबाव कम हो। उन्होंने कहा कि नगर निगम, पुलिस और परिवहन विभाग के अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करें और आईएसबीटी का संचालन प्रभावी ढंग से हो। कलेक्टर ने आईएसबीटी परिसर में यात्रियों के लिए पेयजल, शौचालय और प्रकाश व्यवस्था जैसी मूलभूत सुविधाओं की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। बैठक में नगर निगम आयुक्त शेर सिंह मीना, अपर कलेक्टर विकास सिंह, एसडीएम राहुल सिलाडिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवेश सिंह बघेल और आरटीओ संजय श्रीवास्तव सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। आरटीओ संजय श्रीवास्तव ने बताया कि वर्तमान में रीवा, अमरपाटन और मैहर रूट की बसें आईएसबीटी से संचालित हो रही हैं। अन्य रूटों के संचालन में आ रही कठिनाइयों के संबंध में बस मालिकों, स्टेकहोल्डर्स और यात्रियों से अभ्यावेदन 6 फरवरी तक लिखित रूप में आमंत्रित किए जा रहे हैं। निर्धारित तिथि तक प्राप्त अभ्यावेदन अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित समिति में रखे जाएंगे। समिति इन अभ्यावेदनों का परीक्षण कर सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में विचार-विमर्श के बाद निर्णय लेगी। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि आईएसबीटी का संचालन यात्रियों की सुविधा और शहर की यातायात सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा।

छात्रसंघ ने कॉलेज प्रशासन का घेराव किया

छात्रों में खराब परीक्षा परिणामों को लेकर भारी आक्रोश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिले के पीएमश्री उत्कृष्ट डिग्री कॉलेज में परीक्षा परिणामों को लेकर छात्रों का आक्रोश थम नहीं रहा है। बुधवार को एसोसिएशन ऑफ स्टूडेंट्स फॉर अल्टरनेटिव पॉलिटिक्स (एएसएपी) के छात्रसंघ ने कॉलेज प्रशासन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। छात्रों का आरोप है कि सैकड़ों विद्यार्थियों को केवल 1, 2 या 3 अंकों के अंतर से फेल घोषित किया गया है, जो सीधे उनके शैक्षणिक भविष्य को प्रभावित कर रहा है। प्रदर्शन के दौरान सैकड़ों छात्र प्राचार्य के चैंबर तक पहुंचे और उनका घेराव किया। छात्रसंघ ने कॉलेज प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए तत्काल परिणाम संशोधन की मांग की। छात्रों ने कहा कि इस मामले में त्वरित समन्वय और सुधार की आवश्यकता है, अन्यथा उनके पूरे शैक्षणिक वर्ष पर असर पड़ेगा। छात्रसंघ का आरोप है कि कई विद्यार्थी बेहद कम अंकों के अंतर से फेल दिखाए गए हैं। इनमें से कई छात्र आगे की पढ़ाई के लिए अन्य संस्थानों में प्रवेश भी ले चुके हैं। छात्र नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि परिणाम में शीघ्र सुधार नहीं किया गया तो छात्रों का पूरा शैक्षणिक वर्ष प्रभावित होगा। उन्होंने मूल्यांकन प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप भी लगाया। प्रथम वर्ष की पूरक परीक्षा में भी कई छात्रों को उन्हीं अंकों के साथ दोबारा पूरक घोषित किया गया जिससे कॉपी जांच प्रक्रिया पर सवाल उठे हैं। इसके अलावा हाल ही में घोषित पूरक परीक्षा परिणामों में फाउंडेशन विषय में असामान्य रूप से अधिक छात्रों के फेल होने पर छात्र संघ ने चिंता व्यक्त की। छात्र नेताओं ने प्रशासन से छात्रहित को सर्वोपरि रखते हुए ग्रेस मार्क्स देकर राहत देने और अंकपत्रों तथा परिणामों का त्वरित संशोधन करने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह कदम छात्रों के शैक्षणिक भविष्य और मनोबल को बचाने के लिए आवश्यक है। प्रदर्शन के दौरान एक छात्रा अचानक बेहोश हो गई जिसे तुरंत प्रारंभिक चिकित्सा सहायता दी गई। छात्रों में खराब परिणाम आने के बाद भारी आक्रोश देखा गया। वहीं कॉलेज प्राचार्य एससी राय ने कहा कि छात्र आंदोलन कर नंबर बढ़वाना चाहते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि शासन के नियम और प्रक्रियाओं का पालन करना आवश्यक है और किसी भी सुधार या संशोधन में इन्हीं नियमों के तहत कदम उठाए जा सकते हैं। इस मामले में अब सभी की नजरें प्रशासन की कार्रवाई और परिणाम संशोधन पर लगी हैं। छात्रों का कहना है कि यदि उनके प्रदर्शन और अंक शीघ्र संशोधित नहीं हुए तो इसके गंभीर परिणाम पूरे शैक्षणिक वर्ष पर पड़ सकते हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।